epaper.dehatsandesh.com

3 बिश्नाह के स्कूलों में चला हस्ताक्षर अभियान, दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

5 थाईलैंड ओपन: पीवी सिंधु, सात्विक चिराग ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

8 आर.एस. पुरा पुलिस ने 4 साल से फरार आरोपी को पकड़ा

न्यूनतम 24 मौसम जम्मू अधिकतम 37

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-117 | जम्मू तवी, शुक्रवार 15 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल ने कुपवाड़ा के तंगधार में एसएम हिल पर 'शौर्य गाथा परिसर का किया उद्घाटन

उपराज्यपाल ने उत्तरी कमान, चिनार कोर और सभी अधिकारियों, सैनिकों, इंजीनियरों, कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों को कम समय में इस प्रतिष्ठित परियोजना को पूरा करने के लिए बधाई दी

▸▸ प्रशासन सीमावर्ती क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है

श्रीनगर, 14 मई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कुपवाड़ा जिले के करनाह के तंगधार स्थित एसएम हिल पर शौर्य गाथा परिसर का उद्घाटन किया। यह पहल युद्धक्षेत्र पर्यटन, विरासत संरक्षण और सीमावर्ती क्षेत्र विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उपराज्यपाल ने उत्तरी कमान, चिनार कोर और सभी अधिकारियों, सैनिकों, इंजीनियरों, कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों को कम समय में इस प्रतिष्ठित परियोजना को पूरा करने के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और उनका साहस और बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और प्रेरणा का एक सशक्त स्रोत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों और जनता का समर्पण ही राष्ट्र की सच्ची शक्ति है। शौर्य गाथा परिसर भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को श्रद्धांजलि है।

यह पहल सीमावर्ती क्षेत्रों और युद्धक्षेत्र पर्यटन, होमस्टे, स्थानीय हस्तशिल्प और युवा उद्यमशीलता के लिए नए अवसर पैदा करेगी।

उपराज्यपाल ने नियंत्रण रेखा के इस तरफ के विकास और अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की स्थिति के बीच स्पष्ट अंतर को भी उजागर किया और कहा कि जम्मू-कश्मीर शांति, प्रगति और समृद्धि के युग का गवाह है जबकि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर उपेक्षा और कुशासन से ग्रस्त है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा। जम्मू-कश्मीर सभी मोर्चों पर विकास की ओर अग्रसर है। आत्मविश्वास की एक नई भावना जागृत हुई है और समाज पहले से कहीं अधिक समृद्ध और शांतिपूर्ण है।

उन्होंने यह भी दोहराया कि प्रशासन सीमावर्ती क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत रणभूमि दर्शन पहल के तहत वीरता स्थलों को बढ़ावा देने जैसी पहल से तंगधार-कर्णह क्षेत्र में आर्थिक विकास और समृद्धि आएगी साथ ही इस क्षेत्र की समृद्ध रक्षा विरासत और संस्कृति का प्रदर्शन भी होगा।

उन्होंने बताया कि तंगधार और कर्णह के सात गांवों को जीवंत ग्राम कार्यक्रम में शामिल किया गया है, जिससे बेहतर बुनियादी ढांचा, आजीविका के अवसर और जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

उपराज्यपाल ने साधना सुरंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सुरंग हर मौसम में आवागमन की सुविधा प्रदान कर व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आपदा राहत प्रदान करके क्षेत्र में संपर्क, सुरक्षा और आर्थिक गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी।

तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकते : राजनाथ

नयी दिल्ली, 14 मई । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करने का आह्वान किया है और कहा है कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा अब पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकती। श्री सिंह ने गुरुवार को यहां प्रमुख रणनीतिक संवाद कलम और कवच में अपने वर्चुअल संदेश में कहा कि इस मंच का नाम ही देश के भविष्य के सुरक्षा ढांचे की सशक्त दृष्टि को दर्शाता है। रक्षा मंत्री ने कहा , कलम विचारों, तर्क और आगे की सोच रखने के साहस का प्रतीक है। कवच शक्ति, सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा करने की क्षमता का प्रतीक है। जो देश स्पष्ट रूप से सोच सकता है और मजबूती से अपनी रक्षा कर सकता है, वही दुनिया में ऊंचा खड़ा होता है। हम ऐसे ही भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं। वैश्विक संघर्षों के बदलते स्वरूप पर श्री सिंह ने कहा कि दुनिया भर में रणनीतिक परिदृश्य लगातार अधिक अनिश्चित, प्रतिस्पर्धी और प्रौद्योगिकी-आधारित होता जा रहा है।उन्होंने भू-राजनीतिक तनाव, संघर्ष, साइबर खतरे, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी और हाइब्रिड युद्ध के उभरते स्वरूपों को देशों के सामने मौजूद प्रमुख चुनौती बताया। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जोर देते हुए श्री सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं बल्कि भारत के लिए रणनीतिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा, जो राष्ट्र महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं के लिए अत्यधिक रूप से दूसरों पर निर्भर रहता है, वह संकट के समय कमजोर बना रहता है। हमें अपने राष्ट्रीय तंत्र के भीतर ही प्रमुख प्रणालियों का डिज़ाइन, विकास, उत्पादन, रखरखाव और उन्नयन करना होगा। इसी तरह हम अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को सुरक्षित रख पाएंगे। रक्षा मंत्री ने विभिन्न हितधारकों के बीच अधिक समन्व्य की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि आधुनिक युद्ध में कई क्षेत्रों के बीच निरंतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा, आधुनिक युद्ध पारंपरिक सीमाओं का सम्मान नहीं करता। सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपनी थल, जल, वायु, साइबर और अंतरिक्ष सेनाओं को कितनी दक्षता से एक साथ ला पाते हैं। यह इस पर भी निर्भर करेगा कि हमारी प्रयोगशालाएं, उद्योग, स्टार्टअप, नीति निर्माता और सैन्य संस्थान कितनी निकटता से मिलकर काम करते हैं।

खबर संक्षेप

बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग तेज, एआईबीओसी ने प्रधानमंत्री से किया हस्तक्षेप का आग्रह

जम्मू, 14 मई । ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) ने देश के बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। संगठन ने इस संबंध में प्रधानमंत्री से शीघ्र हस्तक्षेप कर नीति को जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया है।

एआईबीओसी ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में दिए गए मितव्ययिता, ईंधन संरक्षण और अनावश्यक यात्रा कम करने के संदेश का स्वागत करते हुए कहा कि बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करना इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाने वाला व्यावहारिक कदम होगा।

संगठन ने कहा कि आज बैंकिंग सेवाएं केवल शाखाओं तक सीमित नहीं हैं। यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, कैश डिपॉजिट मशीन और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए अधिकांश सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध रहती हैं। ऐसे में सप्ताह में एक अतिरिक्त अवकाश से लाखों बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों की आवाजाही कम होगी जिससे ईंधन की बचत, ट्रैफिक में कमी और बिजली की खपत घटेगी।

मुझे खुशी है कि अब कोई सोच रहा है कि युद्ध कोई विकल्प नहीं है - फारूक

श्रीनगर, 14 मई । नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन. सी.) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को आरएसएस के पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबोले की पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वाली टिप्पणी का समर्थन करते हुए कहा कि युद्ध कोई विकल्प नहीं था।

जम्मू-कश्मीर के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अब्दुल्ला ने श्रीनगर में संवाददाताओं से बात करते हुए पूर्व सेना प्रमुख एम. एम. नरवणे द्वारा होसबले का समर्थन करने का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा कदम है कि आरएसएस नेता ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत होनी चाहिए और पूर्व सेना प्रमुख ने भी अपने बयान का समर्थन किया है। मुझे खुशी है कि अब कोई सोच रहा है कि युद्ध कोई विकल्प नहीं है। इससे पहले मंगलवार को होसबोले ने कहा कि पाकिस्तान के साथ गतिरोध को तोड़ने के लिए लोगों का संपर्क महत्वपूर्ण है और बातचीत के लिए हमेशा एक खिड़की होनी चाहिए। आर. एस. एस. नेता ने कहा था कि पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने भारत का विश्वास खो दिया है और यह नागरिक समाज के लिए नेतृत्व करने का समय है। नई दिल्ली में चल रहे ब्रिकस सम्मेलन का जवाब देते हुए अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि इस समूह से मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन यात्रा का भी स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई केंद्रीय मंत्रियों द्वारा अपने काफिले को कम करने के बारे में उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि ईंधन संकट से निपटने के लिए ये उपाय आवश्यक हैं।

डीजीपी नलिन प्रभात ने सीमा पार के नशीले पदार्थों के गिरोहों और उनके संचालकों को कड़ी कार्रवाई की दी चेतावनी

श्रीनगर, 14 मई । पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने गुरुवार को कहा कि पुलिस बल पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है और सीमा पार के नशीले पदार्थों के गिरोहों और उनके संचालकों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

कश्मीर पुलिस स्टेशन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि नशा मुक्त अभियान ने जम्मू और कश्मीर में नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियानों को काफी तेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने 2023 से नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, विशेष रूप से संपत्ति कुर्की, निवारक गिरफ्तारियों और प्रतिबंधित पदार्थों की जब्ती में। उन्होंने कहा कि 2023 से 2026 तक नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ी संपत्तियों की कुर्की में लगातार वृद्धि हुई है। इस संबंध में जम्मू-कश्मीर पुलिस 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर रही है।

डीजीपी ने आगे कहा कि 2025 में पीआईटी-एनडीपीएस के 240 गिरफ्तारियां की गईं जिसके लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस देश में पहले स्थान पर रही विशेष रूप से नशामुक्त अभियान के तहत पिछले वर्ष की तुलना में एनडीपीएस मामलों में लगभग सात गुना वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि जम्मू और कश्मीर में दर्ज 724 एनडीपीएस मामलों में नशीले पदार्थों के व्यापार में शामिल 806 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रमुख गिरफ्तारियों में गुलजार अहमद उर्फ लव गुर्जर जो 28 मामलों में वांछित थाऔर अवनीत सिंह उर्फ नागी जो जम्मू प्रांत में 17 मामलों में वांछित था शामिल हैं।

डीजीपी ने बताया कि पुलिस ने अभियान के दौरान 667 किलोग्राम नशीले पदार्थ और 90,000 से अधिक मनोरोगी पदार्थ जब्त किए। उन्होंने कहा कि 24 आदतन नशाखोरों के खिलाफ निवारक कार्रवाई भी की गई है। उन्होंने आगे बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ी 41.85 करोड़ रुपये मूल्य की 97 संपत्तियों की पहचान कर उन्हें अब तक जब्त किया जा चुका है।उन्होंने कहा कि अनंतनाग पुलिस ने एक ही मामले में 6.17 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की। अपनी तरह की पहली कार्रवाई में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू-कश्मीर की सीमा से बाहर भी संपत्तियां जब्त की हैं जिनमें गुरदासपुर, पठानकोट और चंडीगढ़ में एक-एक संपत्ति शामिल है। उन्होंने आगे बताया कि नशीले पदार्थों के मामलों में पिछड़े संबंध स्थापित करने के लिए कुलगाम पुलिस ने जम्मू के बेली चराणा क्षेत्र में 93 लाख रुपये की संपत्तियां भी जब्त की हैं। डीजीपी ने बताया कि नशीले पदार्थों के व्यापार से प्राप्त 15 करोड़ रुपये मूल्य की 41 संपत्तियों को कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ध्वस्त कर दिया गया है।

देश में एलपीजी की आपूर्ति सुचारू, कहीं से आपूर्ति ठप होने की रिपोर्ट नहीं: केंद्र

नई दिल्ली, 14 मई। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद पूरे देश में पर्याप्त मात्रा में कच्चा तेल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी के आयात पर असर पड़ा है।

सीएम के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने अचान में 361 करोड़ की एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना को मंजूरी दी

श्रीनगर, 13 मई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद ने 361 करोड़ की अनुमानित लागत पर अचन श्रीनगर में 800 टीपीडी एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (आईएसडब्ल्यूएम) परियोजना की स्थापना को मंजूरी दे दी है। श्रीनगर में वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार तरीके से नगरपालिका ठोस कचरे के स्थायी निपटान और प्रसंस्करण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंत्रिपरिषद की छठी बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। प्रस्तावित एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना का उद्देश्य ठोस कचरे के संग्रहण, पृथक्करण, उपचार और निपटान के लिए आधुनिक और कुशल प्रणालियों के माध्यम से श्रीनगर शहर की अपशिष्ट प्रसंस्करण क्षमता को बढ़ाना है। इस परियोजना से स्वच्छता मानकों में उल्लेखनीय सुधार, पर्यावरण प्रदूषण में कमी और स्वच्छ एवं स्वस्थ शहरी परिवेश में योगदान की उम्मीद है। अचन में सुविधा की स्थापना से तेजी से शहरी विस्तार और जनसंख्या वृद्धि के मद्देनजर शहर की बढ़ती अपशिष्ट प्रबंधन आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए दीर्घकालिक शहरी नियोजन और पर्यावरणीय स्थिरता प्रयासों का समर्थन करने की भी उम्मीद है।

जम्मू-कश्मीर में जल्द शुरू होंगी अंतर्देशीय जल परिवहन सेवाएं

मुख्य सचिव ने आईडब्ल्यूएआई के साथ साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 14 मई। मुख्य सचिव ने आज जम्मू-कश्मीर में अंतर्देशीय जल परिवहन अवसंरचना के विकास की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की। यह उच्च स्तरीय बैठक परिवहन विभाग और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के सहयोग से चल रही पहलों का आकलन करने के लिए आयोजित की गई थी। बैठक में केंद्र शासित प्रदेश की प्रमुख नदियों में सतत, पर्यावरण अनुकूल और आधुनिक जल परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देने पर विशेष चर्चा हुई। जम्मू-कश्मीर में अधिसूचित राष्ट्रीय जलमार्गों पर क्रूज पर्यटन, शहरी जल परिवहन सुविधाओं और नौवहन अवसंरचना के विकास पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग; आईडब्ल्यूएआई के अध्यक्ष; परिवहन विभाग के सचिव; परिवहन आयुक्त; आईडब्ल्यूएआई के अन्य अधिकारी; संबंधित विभागों के प्रतिनिधि तथा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता वाले मुद्दों की समीक्षा की, जिनमें पुलों के नीचे बने कॉफर डैम हटाना, उच्च एवं निम्न वोल्टेज बिजली लाइनों को ऊंचा करना, टर्मिनलों पर बिजली और पानी की सुविधा उपलब्ध कराना, संपर्क सड़कों का निर्माण, प्रमुख घाटों पर सीवेज उपचार संयंत्र स्थापित करना तथा पेड़ों की कटाई और निर्माण गतिविधियों से संबंधित अनुमतियां शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर में अंतर्देशीय जलमार्गों की अपार पर्यटन, आर्थिक और पर्यावरणीय क्षमता पर जोर देते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को परियोजना के सभी घटकों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने हेतु आईडब्ल्यूएआई के साथ समन्वय में कार्य करने के निर्देश दिए।

सकीना इटू ने नीट पेपर लीक मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की

श्रीनगर, 14 मई । जम्मू और कश्मीर की स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने गुरुवार को नीट यूजी पेपर लीक मामले की पारदर्शी जांच की मांग की। मंत्री ने कहा कि इस धोखाधड़ी में शामिल सभी लोगों को चाहे उनका प्रभाव या पद कुछ भी हो कड़ी सजा मिलनी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए इटू ने कहा कि इस कथित धोखाधड़ी ने उन छात्रों को बुरी तरह प्रभावित किया है जिन्होंने देश की सबसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक को पास करने के लिए वर्षों तक अथक परिश्रम किया था।उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि बच्चे इस परीक्षा को पास करने के लिए बहुत मेहनत और अथक परिश्रम करते हैं।उन्होंने कहा कि ऐसी परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी योग्य छात्रों के भविष्य और करियर के साथ खिलवाड़ करने के समान है। उन्होंने कहा, जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। जो भी इसमें शामिल है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई और कठोर सजा होनी चाहिए।卐 सरकारी वाहनों की संख्या कम करने और प्रशासन द्वारा घोषित संबंधित उपायों के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि यदि कोई भी कदम देश की समस्याओं को कम करने में सहायक होता है तो सभी को योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि देश में कोई समस्या है और यदि हम उसे कम करने में किसी भी तरह से मदद कर सकते हैं तो हमें भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

रेलवे सुधारों से सीमेंट ढुलाई में 170 प्रतिशत वृद्धि, अब फ्लाई ऐश परिवहन पर फोकस

नई दिल्ली, 14 मई। रेलवे में किए गए सुधारों के चलते पिछले चार महीनों में सीमेंट की ढुलाई में 170 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रेलवे मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि गत वर्ष नवंबर में लागू किए गए सुधारों और आधुनिक बल्क सीमेंट टैंक कंटेनरों के इस्तेमाल से यह उपलब्धि हासिल हुई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कंटेनर क्षेत्र में किए गए सुधारों और उनके क्रियान्वयन की समीक्षा की।

रेल मंत्रालय के अनुसार, सीमेंट परिवहन में सुधार का उद्देश्य सड़क परिवहन पर निर्भरता कम कर रेल आधारित, स्वच्छ और अधिक दक्ष लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देना है। इसके तहत रेलवे ने विशेष टैंक कंटेनर और बल्क सीमेंट टर्मिनल नीति लागू की है, जिससे मल्टीमॉडल परिवहन को प्रोत्साहन मिला है।

रेल मंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था से सीमेंट की लोडिंग और अनलोडिंग पहले की तुलना में आसान हो गई है तथा सामग्री की बर्बादी भी कम हुई है। अब सीमेंट उत्पादन केंद्रों से विशेष टैंक कंटेनरों के जरिए सीधे उपभोग केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे कई चरणों की हैंडलिंग समाप्त हुई है और प्लांट से बाजार तक आपूर्ति अधिक कुशल बनी है।

मंत्रालय के मुताबिक, ये मेक इन इंडिया टैंक कंटेनर ट्रेन से ट्रेलर और फिर वापस ट्रेन तक निर्बाध आवाजाही के लिए डिजाइन किए गए हैं। कंटेनरों की संरचना रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) मशीनों के अनुकूल होने के कारण सीमेंट सीधे निर्माण स्थलों तक उपयोग योग्य स्थिति में पहुंच रहा है।

श्री अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर प्रशासन अलर्ट-डिवकॉम ने लखनपुर में तैयारियों का लिया जायजा

कठुआ, 14 मई। श्री अमरनाथ यात्रा 2026 के शुभारंभ में अब महज 48 दिन शेष रह गए हैं, जिसके मद्देनजर कठुआ जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्य प्रवेश द्वार लखनपुर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य जारी है।

इसी क्रम में वीरवार को जम्मू के डिविजनल कमिश्नर रमेश कुमार ने कठुआ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लखनपुर का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुल के निर्माण कार्य की समीक्षा की और प्रभावित इमारतों का निरीक्षण करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। दौरे के दौरान उनके साथ डीसी कठुआ राजेश शर्मा, एसएसपी कठुआ मोहित शर्मा तथा बिक्री कर विभाग के डिप्टी कमिश्नर जोगिंदर जसरोटिया भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने उस स्थल का भी निरीक्षण किया जहां अमरनाथ यात्रियों के लिए रिसेप्शन काउंटर स्थापित किया जाता है।

डिवकॉम ने बताया कि लखनपुर में यात्रियों के स्वागत हेतु आधुनिक स्वागत केंद्र और कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए शौचालय, स्वच्छ पेयजल, मेडिकल सेवाएं, ट्रैफिक एवं पुलिस सहायता सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हाईवे पर विशेष पेट्रोलिंग टीमें तैनात रहेंगी, जो 24 घंटे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। आपात स्थिति में यात्रा रोकने की स्थिति में श्रद्धालुओं के ठहराव के लिए चयनित भवनों में भी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है

नींबू पानी

इसमें पानी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और शर्करा मौजूद होती है। नींबू विटामिन सी का बेहतर स्रोत है। इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। आज जानिए नींबू पानी के फायदे के बारे में।

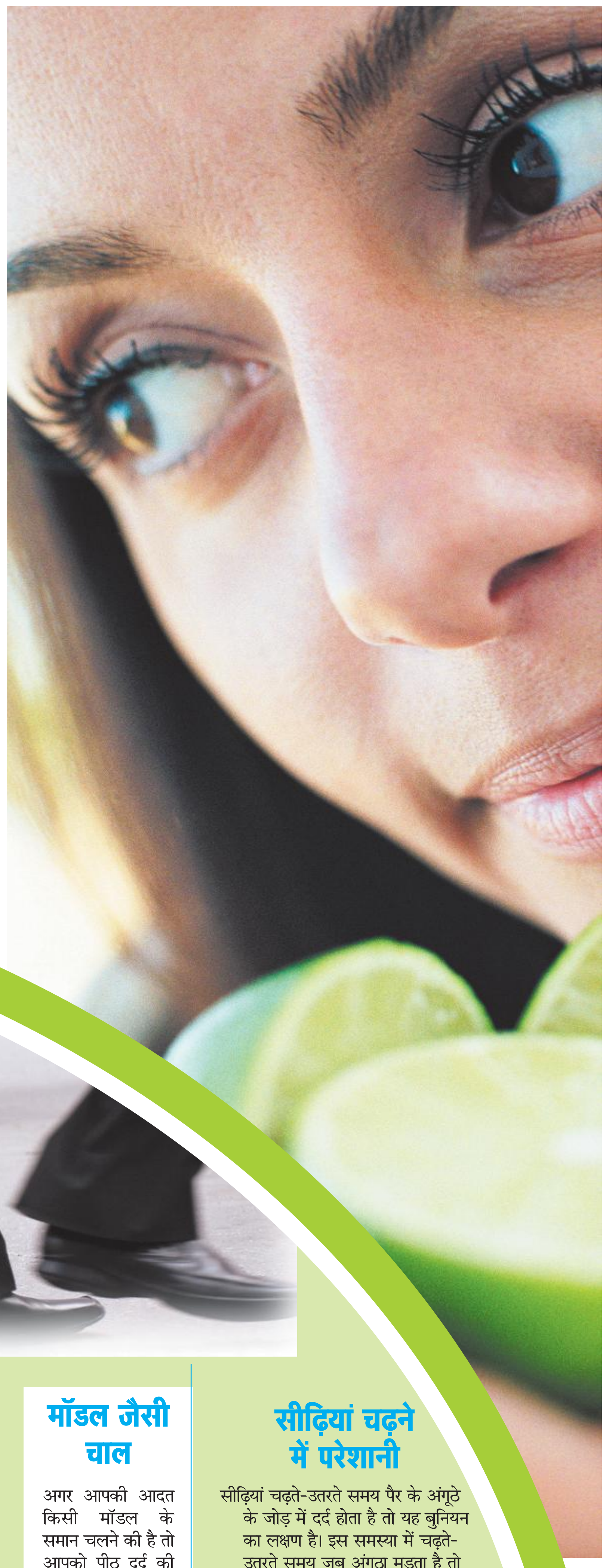

नींबू बहुत ही गुणकारी है। कई रूपों में यह हमारे स्वास्थ्य के लिए फयदेमंद साबित होता है। नींबू विभिन्न विटामिन्स व मिनरल्स का खजाना माना जाता है। इसमें पानी, प्रोटीन, कारबोहाइड्रेट्स और शर्करा मौजूद होती है। नींबू विटामिन सी का बेहतर स्रोत है। इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। आज जानिए नींबू पानी के फायदे के बारे में। नींबू पानी हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है सिवाय उनके जिन्हें नींबू से एलर्जी होती है। यह खराब गले,कब्ज,किडनी स्टोन, और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया,वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

छोटे कदम रखना

चलते समय जिनके कदम छोटे होते हैं, उन्हें ऑस्टियोऑर्थराइटिस की आशंका हो सकती है। साथ ही अगर ऐसी महिलाएं हाई हील पहनने की आदी हैं तो उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। ऐसे में हेमस्ट्रिंग और कॉफ ठीक से स्ट्रेच नहीं हो पाती है। घुटने संबंधी दोषों से भी ऐसा होता है।

आपकी चाल

बताती है आपका स्वास्थ का हाल

आपकी चलने की चाल से आपके स्वास्थ का पता लगाया जा सकता है। एक नए अअध्यन में अमेरिकी शोधकर्ताओं ने हाल ही में चलने के तरीके और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाया है। भविष्य में अगर आपको किन्हीं स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा है तो इसका अंदाजा चलने के तरीके से आसानी से लगाया जा सकता है।

धीमी चाल

यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के शोधकर्ताओं के अनुसार चलने की गति भी सेहत का हाल बताती है। जो लोग एक घंटे में 3.6 किलोमीटर या उससे ज्यादा चल लेते हैं, उन्हें ऑर्थराइटिस का खतरा काफी कम होता है। वहीं, अगर किसी युवा व्यक्ति की चलने की औसत गति प्रतिघंटा इससे कम है और उसे जोड़ों में दर्द की शिकायत भी रहती है तो यह ऑर्थराइटिस का पूर्व संकेत हो सकता है। भले ही आप फिट हैं, लेकिन भविष्य में इसकी आशंका बढ़ सकती है।

मॉडल जैसी चाल

अगर आपकी आदत किसी मॉडल के समान चलने की है तो आपको पीठ दर्द की शिकायत हो सकती है। आमतौर पर चलते या दौड़ते समय कमर के नीचे की छोटी मसल ग्लूटिअस मीडिअस काम करती है, जो पेल्विस (पिंडली) को स्थिर और पैरों को सीधा रखने का काम करती है। आरामदायक जीवनशैली के चलते यह मसल कमजोर होने लगती है, जिससे पीठ पर अधिक स्ट्रेस पड़ता है।

सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी

सीढ़ियां चढ़ते-उतरते समय पैर के अंगूठे के जोड़ में दर्द होता है तो यह बुनियन का लक्षण है। इस समस्या में चढ़ते-उतरते समय जब अंगूठा मुड़ता है तो जोड़ आपस में घिसते हैं, तभी दर्द होता है।

पैदल चलने में कठिनाई होना

जब चलते समय शरीर एक ओर झुकने लगें तो यह ऑस्टियोऑर्थरिटीक हिप का संकेत हो सकता है। शरीर का वजन जब हिप्स नहीं संभाल पाते हैं, तब ऐसा होता है। हालांकि कई बार एक हाथ से अधिक वजन उठाने से भी ऐसा होता है। ऐसे में स्पाइन झुक जाती है और पीठ के निचले हिस्से पर अधिक स्ट्रेस पडने से दर्द भी हो सकता है।

बार-बार पानी पीने से भी

प्यास शांत नहीं होती?

गर्मी के मौसम में शरीर का जल का अंश कम हो जाता है, वातावरण की गर्मी व धूप से वह तपने लगता है। ऐसे में प्यास बढ़ जाती है, बार-बार पानी पीने से भी प्यास शांत नहीं होती, ऐसे में

निम्नलिखित प्रयोग करें

- पानी में शहद मिलाकर कुल्ला करने या लौंग को मुंह में रखकर चूसने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।
- अनन्नास का ऊपरी छिलका और भीतरी कठोर भाग निकाल कर उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर, इन टुकड़ों को पानी में पकाकर नरम बनाएं और फिर चीनी की चाशनी बनकर उसमें डाल दें। इस मुरब्बे जैसे ज्यूस का सेवन करने से प्यास बुझती है तथा शरीर की जलन शांत होती है, इससे हृदय को बल मिलता है।

- गाय के दूध से बना दही 125 ग्राम, शकर 60 ग्राम, घी 5 ग्राम, शहद 3 ग्राम व काली मिर्च-इलायची चूर्ण 5-5 ग्राम लें। दही को अच्छी तरह मलकर उसमें अन्य पदार्थों को मिलाएं और किसी स्टील या कलई वाले बर्तन में रख दें। उसमें से थोड़ा-थोड़ा दही सेवन करने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।
- जौ के भुने सत्तू को पानी में घोलकर, उसमें थोड़ा सा घी मिलाकर पतला-पतला पीने से भी प्यास शांत होती है।
- चावल के मांड में शहद मिलाकर पीने से भी तृष्णा रोग में आराम मिलता है।

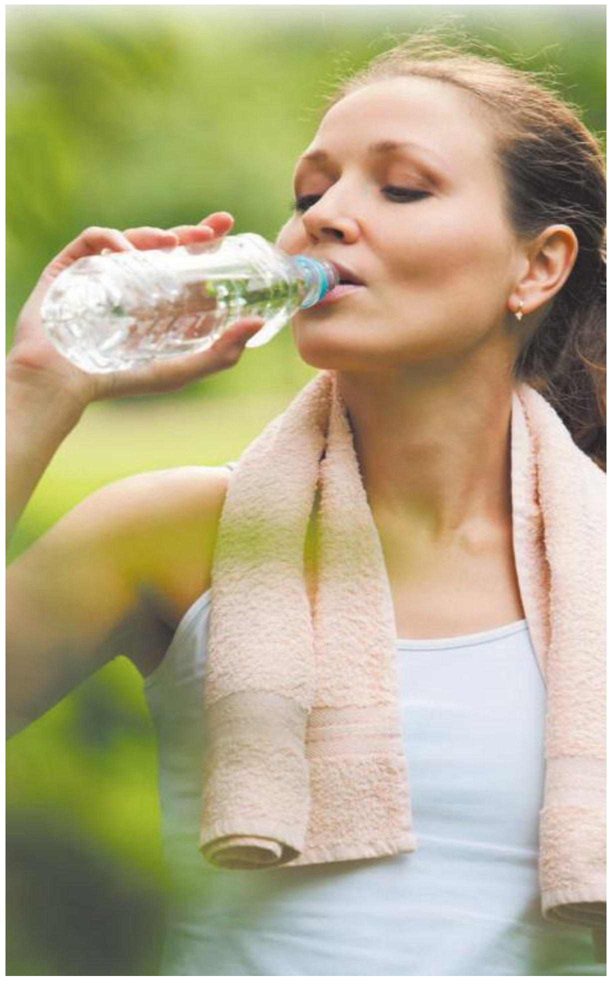

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

बिशनाह के स्कूलों में चला हस्ताक्षर अभियान, दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

जम्मू, 14 मई (हि.स.)। नशामुक्त अभियान के तहत वीरवार को बिशनाह के दो अलग-अलग स्कूलों में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसमें सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रिहाल तथा ज्योति अकादमी हाई स्कूल फतवाल बानाचक शामिल हैं। सीनियर पत्रकार गोविंद चौहान की तरफ से इस अभियान को चलाया गया, जिसमें रिहाल स्कूल की प्रधानाचार्य निर्मला ठाकुर तथा बानाचक स्कूल के संचालक देवी दयाल ने स्कूल के स्टाफ तथा बच्चों के साथ भाग लिया। इस दौरान दोनों स्कूलों की तरफ से भरपूर सहयोग मिला।

यह अभियान प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की तरफ से शुरू किया गया है, जिसके तहत बिश्नाह में यह कार्यक्रम चल रहा है। इस कार्यक्रम के क्रम में वीरवार को दोनों स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। दोनों स्कूलों में इस कार्यक्रम की शुरुआत छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाकर की गई। उसके बाद बच्चों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि किस प्रकार से समाज को नशामुक्त बनाया जा सकता है। बच्चे आने वाले कल का भविष्य हैं। ऐसे में वे अपने परिवार, मोहल्ले तथा शहर को पूरी तरह से जागरूक करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों को कहा गया कि वे अपने क्षेत्रों में इस बारे में लोगों को जागरूक करें कि नशे को दूर करने से समाज का भला हो सकता है। इस दौरान स्कूल के स्टाफ की तरफ से भी अपने विचार रखे गए। वीरवार को अभियान के दौरान काफी बड़ी गिनती में बच्चों ने भाग लिया। बता दें कि पत्रकार गोविंद चौहान की तरफ से बिश्नाह तथा आसपास के इलाकों में इस मुहिम को चलाया जा रहा है, जिसके तहत प्रतिदिन दो स्कूलों में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाता है।

जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू में नशा मुक्ति जागरूकता एवं काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 14 मई (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज की एनएसएस इकाइयों और एनसीओआरडी समिति द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे और मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में बढ़ने वाले तनाव को ध्यान में रखते हुए उन्हें मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से दूर रहने के लिए परामर्श दिया गया। विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार के जागरूकता और काउंसलिंग कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं, विशेषकर परीक्षा के समय जब विद्यार्थी तनाव और चिंता का सामना करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने और सकारात्मक तरीके से शैक्षणिक दबाव का सामना करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नेहा शर्मा, एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी तथा प्रो. पूनम कुंदन, सहायक प्राध्यापक, पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। डॉ. राहुल कैत, एनसीओआरडी संयोजक एवं समन्वयक सीडब्ल्यूएससी ने भी कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया। कॉलेज प्रशासन ने विद्यार्थियों के कल्याण के लिए भविष्य में भी नशा मुक्ति और जागरूकता संबंधी कार्यक्रम जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सांबा में पीएसए के तहत गैंगस्टर को हिरासत में लिया गया

जम्मू, 14 मई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को सांबा में सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत एक गैंगस्टर को अवैध रूप से हथियार रखने और नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों में शामिल होने के आरोप में हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी की पहचान सांबा की रामगढ़ तहसील के जेरडा गांव निवासी प्रीतम सिंह उर्फ सेठी के रूप में की है।

अधिकारियों के मुताबिक आरोपी के सांबा, जम्मू और कठुआ जिलों में आपराधिक गतिविधियों में बार-बार शामिल होने के बाद सांबा पुलिस ने यह कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि आरोपी रॉयल गैंग से जुड़ा है और कथित तौर पर हिंसक अपराधों, अवैध हथियारों को रखने और नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों की एक श्रृंखला में शामिल था जो सार्वजनिक शांति और व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है।

पुलिस ने कहा कि सिंह का एक लंबा आपराधिक इतिहास था और 2016 और 2025 के बीच रामगढ़, विजयपुर, राजबाग, गांधी नगर, आरएस पुरा, बिश्नाह, काहना चक और घगवाल के पुलिस स्टेशनों में दर्ज कई एफआईआर में उसका नाम था। उन्होंने कहा कि मामलों में हत्या के प्रयास, हमला, दंगा, आपराधिक साजिश, अवैध हथियार रखने और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत अपराध से संबंधित आरोप शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार कानूनी कार्रवाई के बावजूद आरोपी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे, जिससे जनता में भय और असुरक्षा पैदा हुई। अधिकारियों ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा औपचारिक हिरासत आदेश जारी करने के बाद आरोपी पर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और हिरासत में लिया गया और जिला जेल भद्रवाह में स्थानांतरित कर दिया गया।

एलजी ने लेह के ओपन स्टेडियम में सबसे ऊँचे एस्ट्रो टर्फ फुटबॉल मैदान, सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और वीआईपी स्टैंड का उद्घाटन किया

लेह, 13 मई। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज लेह में 11,500 फीट की ऊँचाई पर बने भारत के सबसे ऊँचे एस्ट्रो टर्फ फुटबॉल स्टेडियम का उद्घाटन किया। उन्होंने स्टेडियम में नव-निर्मित वीआईपी स्टैंड और 8-लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण कार्य का भी उद्घाटन किया, जो लद्दाख में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

ओपन स्टेडियम में वीआईपी स्टैंड का निर्माण युवा सेवा एवं खेल विभाग के विशेष विकास पैकेज (एसडीपी) के तहत 19.85 करोड़ की लागत से किया गया है, जबकि सिंथेटिक ट्रैक और एस्ट्रो टर्फ फुटबॉल मैदान का निर्माण भारत सरकार की प्रमुख योजना खेलो इंडिया के अंतर्गत 10.50 करोड़ की लागत से किया गया है। इस खेल परिसर में 8-लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, अत्याधुनिक एस्ट्रो टर्फ फुटबॉल मैदान, वीआईपी स्टैंड, लंबी कूद के गड्ढे, हैंडबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट तथा दर्शक दीर्घाएँ शामिल हैं, जिससे यह एक पूर्णतः सुसज्जित खेल सुविधा केंद्र बन गया है। इसके अतिरिक्त, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और आने वाली टीमों के ठहरने हेतु 64 कमरों वाला युवा

छात्रावास भी विकसित किया गया है। यह खेल सुविधा लद्दाख की अत्यधिक ठंड और कठिन मौसम परिस्थितियों के बावजूद पूरे वर्ष खेल गतिविधियों को सुनिश्चित करेगी। इसे एक ऐतिहासिक विकास बताते हुए उपराज्यपाल श्री सक्सेना ने कहा कि यह सुविधा खेल और युवा सहभागिता के माध्यम से स्वस्थ, सशक्त और मजबूत समाज के निर्माण के सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। श्री सक्सेना ने कहा, आधुनिक खेल अवसंरचना का उद्घाटन लद्दाख के युवाओं के सपनों, आकांक्षाओं और अवसरों के नए युग की शुरुआत है। लद्दाख के इतिहास में पहली बार युवा खिलाड़ियों को अपने ही क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएँ उपलब्ध हुई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लद्दाख के विकास, विशेषकर अवसंरचना, पर्यटन, शिक्षा और खेल क्षेत्रों में निरंतर सहयोग मिल रहा है। श्री सक्सेना ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता और पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली की नींव भी हैं।

430 ग्राम चिट्टे की खेप बरामद, किंगपिन गिरफ्तार, मढ़हीन में भी नशा तस्कर दबोचा

कठुआ, 14 मई (हि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत चल रही सख्त कार्रवाई के बीच कठुआ पुलिस ने ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। अलग-अलग अभियानों में पुलिस ने कुल लगभग 435 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) जैसे नशीले पदार्थ बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पहले मामले में पुलिस स्टेशन बिलावर की टीम ने 14 मई को भिन्नी ब्रिज पर नाका लगाकर एक आरोपी मुनीश कुमार निवासी चक दाब खान कठुआ को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 15.23 ग्राम हेरोइन और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी के खुलासे पर उसके घर की तलाशी ली गई जहां से लगभग 415 ग्राम अतिरिक्त हेरोइन बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी के विदेशों में बैठे बड़े ड्रग तस्करों से संबंध हैं और पंजाब के रास्ते सीमा पार से नशे की खेप मंगवाई जाती थी। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय लिंक की गहराई से जांच कर रही है।

दूसरे मामले में पुलिस पोस्ट मढ़हीन (थाना राजबाग) की टीम ने 13 मई को मथरा चक क्षेत्र में नाका लगाकर एक मोटरसाइकिल सवार शकील फिरदौस निवासी बगियाल कठुआ को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 5.89 ग्राम हेरोइन बरामद हुई और उसकी मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई। आरोपी पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहा था लेकिन सतर्क टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच जारी है ताकि नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

जनगणना 2027 में विस्थापित कश्मीरी पंडितों की अलग पहचान की मांग

जम्मू, 14 मई (हि.स.)। पनुन कश्मीर के एक प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से मुलाकात कर जनगणना 2027 में विस्थापित कश्मीरी पंडितों को अलग श्रेणी में दर्ज करने की मांग को लेकर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संगठन के संयोजक डॉ. अग्निशेखर ने किया। ज्ञापन में कहा गया कि कश्मीरी पंडित समुदाय को सामान्य ़फमाइग्रेंट़फ के रूप में दर्ज करना वास्तविक परिस्थितियों को नजरअंदाज करना होगा।

संगठन ने कहा कि समुदाय का विस्थापन स्वेच्छा से नहीं बल्कि हत्या, भय, असुरक्षा और संस्थागत विफलताओं के कारण हुआ था। इसलिए उन्हें ़फआंतरिक रूप से विस्थापित नरसंहार पीड़ित और उत्तरजीवी़फ के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

पनुन कश्मीर ने मांग की कि जनगणना रिकॉर्ड में प्रत्येक विस्थापित कश्मीरी पंडित परिवार और व्यक्ति के कश्मीर घाटी स्थित मूल निवास स्थान का उल्लेख किया जाए, ताकि समुदाय की जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक पहचान संरक्षित रह सके। ज्ञापन में विस्थापन की अवधि, पीढ़ीगत प्रभाव और कारणों को भी आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल करने की मांग की गई।

संगठन ने कहा कि तीन दशक से अधिक समय का विस्थापन सामान्य प्रवास नहीं माना जा सकता और जनगणना में इस ऐतिहासिक वास्तविकता को सही रूप में दर्ज किया जाना चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि पनुन कश्मीर द्वारा ़फपनुन कश्मीर जेनोसाइड एंड एट्रोसिटीज प्रिवेंशन बिल-2020़फ का प्रस्ताव पहले ही संसद सदस्यों और मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा जा चुका है। मीडिया से बातचीत में डॉ. अग्निशेखर ने कहा कि जनगणना 2027 में समुदाय की स्थिति को सही तरीके से दर्ज करना आवश्यक है और किसी भी प्रकार की गलत व्याख्या ऐतिहासिक एवं संवैधानिक वास्तविकता को विकृत करने के समान होगी।

एनडीपीएस केस में आरोपियों को झटका, छात्रवृत्ति व सरकारी लाभ होंगे फ्रीज

कठुआ, 14 मई (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ ने नशा तस्करी के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए एनडीपीएस मामलों में शामिल आरोपियों पर शिकंजा कसने की दिशा में अहम कदम उठाया है।

जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार ऐसे आरोपियों द्वारा ली जा रही सरकारी सब्सिडी, छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता या अन्य किसी भी प्रकार के लाभ को फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

जारी निर्देशों में स्कूल शिक्षा विभाग को विशेष रूप से कहा गया है कि वह अपने रिकॉर्ड की जांच कर यह सुनिश्चित करे कि संबंधित आरोपियों को विभाग की ओर से किसी प्रकार का लाभ तो नहीं मिल रहा है। यदि जांच के दौरान यह पाया जाता है कि कोई आरोपी सरकारी सुविधा का लाभ उठा रहा है तो उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करते हुए विस्तृत रिपोर्ट निर्धारित समय के भीतर जिला प्रशासन को भेजनी होगी। प्रशासन का यह कदम नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उठाया गया है जिसका उद्देश्य नशा तस्करी में लिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई कर उन्हें मिलने वाली सरकारी सुविधाओं को रोकना है।

जल शक्ति विभाग में नए डिवीजन बनने पर विधायकों ने जताया आभार, दूरदराज इलाकों को मिलेगा बड़ा लाभ

श्रीनगर, 14 मई (हि.स.)। जल शक्ति विभाग में हाल ही में हुए कैडर रिव्यू और पुनर्गठन के तहत नए डिवीजन व सब-डिवीजन बनाए जाने के फैसले पर विधायकों नजीर अहमद खान और जाविद हसन बेग ने मंत्री जावेद अहमद राणा का आभार व्यक्त किया। दोनों विधायक सिविल सचिवालय में मंत्री से मिले और इस निर्णय को जनहित में बड़ा कदम बताया।

विधायकों ने कहा कि यह फैसला दूरदराज और पिछड़े इलाकों में रहने वाले लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करता है। इससे न केवल प्रशासनिक पहुंच मजबूत होगी, बल्कि जल आपूर्ति प्रबंधन में सुधार आएगा और लोगों को अपने काम के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि पहले लोगों को विभागीय कार्यों और शिकायतों के समाधान के लिए काफी दूर जाना पड़ता था जिससे उन्हें काफी असुविधा होती थी। नए डिवीजन बनने से जल जीवन मिशन समेत अन्य जल परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

उल्लेखनीय है कि कैबिनेट ने जल शक्ति विभाग में छह नए डिवीजन बनाने को मंजूरी दी है जिनमें गंदेह, गुरेज और तंगधार में हाइड्रोलिक डिवीजन मेंढर में पीएचई डिवीजन तथा जम्मू और श्रीनगर में दो वाटर क्वालिटी और मॉनिटरिंग डिवीजन शामिल हैं। विधायकों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की सराहना करते हुए कहा कि सरकार संतुलित क्षेत्रीय विकास पर लगातार ध्यान दे रही है और दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रशासनिक सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों में समान विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है खासकर पिछड़े और दूरस्थ इलाकों में आवश्यक सुविधाएं लोगों के घर-द्वार तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जम्मू में 15 मई को मनाई जाएगी ज्येष्ठ संक्रांति

जम्मू, 14 मई (हि.स.)। ज्येष्ठ संक्रांति इस वर्ष 15 मई 2026, शुक्रवार को श्रद्धा और धार्मिक आस्था के साथ मनाई जाएगी। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि इस दिन सुबह 6 बजकर 21 मिनट पर सूर्य देव वृष राशि में प्रवेश करेंगे जिसे वृष संक्रांति कहा जाता है। इसी के साथ ज्येष्ठ माह का शुभारंभ भी होगा। उन्होंने बताया कि संक्रांति का पुण्यकाल दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। इस दौरान पवित्र नदियों और सरोवरों में स्नान तथा दान-पुण्य का विशेष महत्व माना गया है। श्रद्धालु स्नान के बाद गुड़, तिल, जल से भरा घड़ा, पंखा, वस्त्र और फल आदि का दान करेंगे।

महंत रोहित शास्त्री के अनुसार यदि किसी कारणवश पवित्र नदी में स्नान संभव न हो तो घर में गंगाजल मिलाकर स्नान करना भी पुण्यदायी माना गया है। उन्होंने लोगों से जरूरतमंदों की सहायता करने और सात्विक भोजन ग्रहण करने की अपील की।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU

NOTICE INVITING TENDER

(Short Term)

MHDJ/e-NIT 42 of 2026-27 Dated: 13.05.2026

Due : 23.05.2026

On behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir, e-tenders in two cover system on turnkey basis are invited from registered/reputed firms having sufficient relevant experience for the work mentioned below:

S. No	Description of work	Project Authority	Estt	Earnest Money Deposit	Cost of tender document	Time of completion	Eligibility Criterion of Bidder
1	Repair and Service of Tata Bus Registration No JK02BX 3469 of GMC Jammu .	Principal GMC & Associated Hospital Jammu	1.808 LACS	Rs 4000.00 in the Shape of CDR/FDR/TDR valid for 12 months pledged to the Executive Engineer MH Division Jammu	Rs 200.00 in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to 0059-PWD (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. OR The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. 0097010100002163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025	10 days	Registered & Reputed firms having sufficient experience as per Annexure "C" similar nature of work

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in.

Sd/-
(Er. Vishal Mahajan)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Jammu

DIP/J-2047/26
Dtd: 14-5-2026

सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर व्याख्यान देकर युवाओं को किया प्रेरित

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 14 मई

युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक भूमिका से अवगत कराने तथा उनमें राष्ट्रसेवा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भद्रवाह परिसर द्वारा भारतीय सेना की चौथी राष्ट्रीय राइफल्स के सहयोग से मंगलवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और सेना के बीच संवाद स्थापित करते हुए उन्हें देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिकों के त्याग, नेतृत्व क्षमता और कठिन परिस्थितियों में आने वाली चुनौतियों से परिचित कराना था।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित चौथी राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग अधिकारी कर्नल योगेश चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर बताया कि विषम परिस्थितियों में भी सैनिक किस प्रकार अत्यधिक पेशेवर दक्षता और साहस के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं।

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से खचाखच भरे सभागार को संबोधित करते हुए कर्नल चौहान ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अनुशासित, केंद्रित और समर्पित रहना चाहिए। देशभक्ति, नैतिक मूल्य और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना ही मजबूत समाज की आधारशिला होती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि एवं भद्रवाह परिसर के कुलपति प्रोफेसर राहुल गुप्ता ने भारतीय सेना की देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक संवाद शिक्षा संस्थानों और सेना जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर व्यावहारिक अनुभव और व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त होता है।

प्रोफेसर गुप्ता ने क्षेत्र के युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए भारतीय सेना के निरंतर सहयोग की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित लोगों ने व्याख्यान को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी बताया।

बाह्य संबंध अधिकारी आरिफ हलीम खतीब ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि अंत में प्रोफेसर राकेश शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए सभी वक्ताओं, सेना अधिकारियों तथा परिसर प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

सतर्क रहें

निस्संदेह प्रधानमंत्री Modi द्वारा सुरक्षा बलों को दी गई प्रेरणा के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। सीमाओं पर या भीतरी क्षेत्रों में तैनात सैनिक चौबीसों घंटे पूरी सतर्कता के साथ डटे हुए हैं और आतंकवादियों या देश के किसी भी दुश्मन को भारत की ओर बुरी नजर डालने का कोई अवसर नहीं दे रहे हैं। सुरक्षा बलों को खुली छूट देने का परिणाम काफी उत्साहजनक रहा है, क्योंकि पाकिस्तान जैसे दुष्ट देश द्वारा प्रायोजित घुसपैठ अब लगभग असंभव हो गई है।

इसी संदर्भ में सेना ने पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में एक घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया, जब सुरक्षा बलों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। यह उल्लेखनीय है कि भारत इस तथ्य से पूरी तरह अवगत है कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कई आतंकवादी समूह लॉन्च पैड पर मौजूद हैं और भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर शांति भंग करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह स्थिति सीमाओं पर तैनात भारतीय सुरक्षा बलों के लिए लगातार सतर्क रहने और पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को भारतीय क्षेत्र में भेजने के हर प्रयास को विफल करने की आवश्यकता को और बढ़ा देती है।

यह भी उल्लेखनीय है कि पहले भी कई मामलों में पाकिस्तान ने इसी प्रकार की रणनीति अपनाकर अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के रास्ते आतंकवादियों को भारतीय क्षेत्र में भेजकर शांति भंग करने और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश की है। यह अच्छी बात है कि इस बार खुफिया एजेंसियों ने पहले ही सेना सहित सभी सुरक्षा बलों को सीमा पर निगरानी बढ़ाने के लिए सतर्क कर दिया था और यह सफल अभियान भी सुरक्षा बलों की मुस्तैदी का परिणाम है।

समय की मांग है कि पाकिस्तान की नापाक साजिशों को विफल करने के लिए एक प्रभावी आतंकवाद-रोधी तंत्र, मजबूत खुफिया ढांचा और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। कल की सफलता इसलिए भी संभव हो सकी क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के मद्देनजर राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में पहले से ही हाई अलर्ट घोषित किया गया था।

पाकिस्तान द्वारा लगातार आतंकवादियों को भारतीय क्षेत्र में भेजने के प्रयासों को हमेशा के लिए रोकने हेतु एक सशक्त प्रतिरोधी व्यवस्था विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए सुरक्षा बलों की विभिन्न शाखाओं और खुफिया एजेंसियों के बीच पूर्ण समन्वय और सतर्कता समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इस संदर्भ में सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि वे देश की पहली सुरक्षा पंक्ति हैं। उन्हें सरकार की आंख और कान बनकर संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी समय पर देनी चाहिए। यह कहा जा सकता है कि मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, समय पर खुफिया जानकारी और जनता का सहयोग ही उन ताकतों की साजिशों को नाकाम कर सकता है जो आतंकवाद के माध्यम से भारत को अस्थिर करना चाहती हैं।

भारत के बच्चों को भोजन के अलावा भी और चीजों की आवश्यकता है

– डॉ. सरथ गोपालन

यही कारण है कि किशोरियों में निवेश करना अगली पीढ़ी में निवेश करना है। एक स्वस्थ लड़की स्वस्थ मां बनती है, और एक स्वस्थ मां अपने बच्चे को सर्वोत्तम संभव शुरुआत देती है। भारत में 59% किशोरियों में एनीमिया की समस्या है, इसलिए स्कूलों, सामुदायिक कार्यक्रमों और लक्षित पूरक आहार के माध्यम से इस समूह को प्राथमिकता देना संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा में प्रभावी उपायों में से एक है।

कुछ समय पहले मेरे क्लिनिक में पांच साल की एक बच्ची लाई गई। वह अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में विकास के कई चरणों में पीछे लग रही थी। उसकी बोलने की गति धीमी थी और वह अपने हमउम्र बच्चों जितनी सक्रिय या जुड़ी हुई नहीं दिख रही थी। उसके विकास के आकलन में वह तीन साल की बच्ची के स्तर पर पाई गई। उसकी मां बहुत चिंतित थीं। बच्ची बीमार नहीं थी। कोई ऐसी बीमारी या निदान नहीं था जो इसकी वजह समझा सके। लेकिन जब हमने कोविड-19 के पिछले दो वर्षों के बारे में बात की, तो तस्वीर साफ होने लगी। लंबे लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद रहे, वह ज्यादातर समय घर पर रही, खेल की जगह स्क्रीन ने ले ली और भोजन पहले की तुलना में अधिक साधारण और सीमित हो गया। उन शांत वर्षों में उसके मस्तिष्क को वह सब नहीं मिल पाया जिसकी उसे बढ़ने के लिए जरूरत थी। वह कोई अपवाद नहीं थी। अलग-अलग क्लिनिकों में बाल रोग विशेषज्ञ और विकास विशेषज्ञ एक ही तरह की स्थिति देख रहे थे-ऐसे बच्चे जो शारीरिक रूप से स्वस्थ थे, लेकिन विकास में पीछे रह गए थे। यह वायरस की वजह से नहीं था, बल्कि उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों की वजह से था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मस्तिष्क का 90% विकास पांच वर्ष की आयु से पहले ही हो जाता है, जिससे प्रारंभिक वर्ष बच्चे के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक भविष्य को आकार देने का सबसे बड़ा अवसर बन जाते हैं। इस दौरान बनने वाले तंत्रिका संबंध सीखने, भाषा, स्मृति और जीवन भर के लिए लचीलेपन को मजबूत करते हैं।

इस अवधि में सही पोषण प्राप्त करना सबसे शक्तिशाली निवेशों में से एक है जो हम कर सकते हैं। आयरन, जिंक और सेलेनियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, जिन्हें अक्सर तंत्रिका पोषक तत्व कहा जाता है, स्वस्थ मस्तिष्क विकास और कार्य के लिए आवश्यक हैं। फिर भी आंकड़े एक चिंताजनक कहानी बयां करते हैं। अकेले आयरन की कमी भारत में पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 50त्न बच्चों को प्रभावित करती है (एनएफएचएस-5)। पांच वर्ष से कम आयु के 67.1त्न बच्चों में एनीमिया दर्ज किया गया, जो पिछले सर्वेक्षण से अधिक है। 12-59 महीने की आयु के बच्चों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि विश्लेषण सहित हाल के साक्ष्यों से पता चला है कि 60% से अधिक बच्चों में एनीमिया के साथ या उसके बिना सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी थी। यह अकेले हीमोग्लोबिन की संख्या से कहीं अधिक व्यापक पोषण संबंधी अंतर की ओर इशारा करता है।

डोकोसाहेक्सानोइक एसिड (डीएचए), एक ओमेगा-3 फैटी एसिड, मस्तिष्क की संरचना, स्मृति निर्माण और दृश्य विकास में सहायक होता है। कोलीन, एक अन्य आवश्यक पोषक तत्व, अब मस्तिष्क के विकास के लिए अनिवार्य माना जाता है। जब माताएं गर्भावस्था के दौरान कोलीन का सेवन करती हैं, तो यह स्वस्थ जीन गतिविधि और कोशिका संरचना, तथा मस्तिष्क के प्रमुख क्षेत्रों - जिनमें स्मृति और चिंतन के लिए जिम्मेदार क्षेत्र शामिल हैं - के विकास में सहायक होता है। ये पोषक तत्व बच्चे के आहार में वैकल्पिक नहीं हैं, बल्कि उनकी क्षमता के लिए मूलभूत हैं।

बच्चे के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पोषण संबंधी हस्तक्षेप जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। मस्तिष्क का विकास भ्रूण अवस्था में ही शुरू हो जाता है, और मां की पोषण स्थिति सीधे तौर पर उस तंत्रिका आधार को आकार देती है जिससे बच्चा जन्म लेता है। डीएचए गर्भ में तंत्रिका संपर्क को सहारा देता है; गर्भावस्था के दौरान आयरन और फोलिक एसिड का सेवन कम जन्म वजन और विकास में देरी के जोखिम को कम करता है। फिर भी, भारत में केवल 44% गर्भवती महिलाओं ने अनुशंसित 180 या उससे अधिक दिनों तक आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट का सेवन किया (एनएफएचएस-5), जो एक बहुत बड़ा और लक्षित करने योग्य अवसर प्रस्तुत करता है।

यही कारण है कि किशोरियों में निवेश करना अगली पीढ़ी में निवेश करना है। एक स्वस्थ लड़की स्वस्थ मां बनती है, और एक स्वस्थ मां अपने बच्चे को सर्वोत्तम संभव शुरुआत देती है। भारत में 59% किशोरियों में एनीमिया की समस्या है, इसलिए स्कूलों, सामुदायिक कार्यक्रमों और लक्षित पूरक आहार के माध्यम से इस समूह को प्राथमिकता देना संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा में प्रभावी उपायों में से एक है।

हालांकि पोषण महत्वपूर्ण है, मस्तिष्क के विकास के लिए दो समानांतर इनपुट आवश्यक हैं- पर्याप्त पोषण और भावनात्मक-सामाजिक उत्तेजना। महामारी ने इसे सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। यूनिसेफ का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर सात में से एक बच्चे ने कोविड-19 के दौरान विकास या सीखने में महत्वपूर्ण हानि का अनुभव किया, जो मुख्य रूप से बीमारी के कारण नहीं, बल्कि साथियों के साथ मेलजोल, बातचीत और खेल की कमी के कारण हुआ। स्क्रीन ने मानवीय संपर्क का स्थान ले लिया, और भाषा, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित हुआ।संवेदनशील देखभाल, मौखिक संवाद, स्पर्श संबंधी जुड़ाव और एक उत्तेजक वातावरण तंत्रिका तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और स्वस्थ मस्तिष्क संरचना के लिए आवश्यक हैं। प्रारंभिक बचपन के कार्यक्रम जो पोषण संबंधी सहायता और विकासात्मक उत्तेजना दोनों को एकीकृत करते हैं, ऐसे परिणाम देते हैं जो इनमें से कोई भी अकेले प्राप्त नहीं कर सकता। भारत की कार्यक्रम संरचना इस पर अमल करने के लिए अच्छी स्थिति में है। पोषण अभियान और पीएम पोषण जैसे कार्यक्रम पहले से ही देश भर में लाखों माताओं और छोटे बच्चों तक पहुंच रहे हैं। पोषण पखवाड़ा जैसी पहल पोषण के इर्द-गिर्द निरंतर, सामुदायिक स्तर पर लामबंदी की शक्ति को दर्शाती है। वितरण संरचना, जिसमें आंगनवाड़ी नेटवर्क, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और सामुदायिक स्तर पर पहुँच शामिल है, स्थापित है। अब अवसर यह है कि इस ढांचे से मिलने वाले लाभों को और अधिक बढ़ाया जाए।

उचित प्रशिक्षण और सहयोग से, वे शारीरिक विकास पर नज़र रखने से लेकर माता-पिता को प्रारंभिक प्रोत्साहन, संवेदनशील देखभाल और बाल विकास प्रथाओं पर मार्गदर्शन देने तक अपनी भूमिका का विस्तार कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क को एकीकृत करना, जो पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल को एक सुसंगत इकाई में जोड़ता है, इस विकास के लिए एक स्पष्ट और वैज्ञानिक रोडमैप प्रदान करता है। यह लक्ष्य को केवल बच्चों को भोजन कराने से आगे बढ़ाकर उन्हें वास्तव में फलने-फूलने में मदद करने की ओर ले जाता है।

शुरुआती बचपन में पोषण किसी भी देश के लिए सबसे अधिक लाभ देने वाला निवेश है। जब बच्चों को उनके विकसित होते मस्तिष्क के लिए जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व, सही देखभाल का वातावरण और सही मानसिक व सामाजिक प्रोत्साहन मिलता है तो उसका लाभ पूरी जिंदगी मिलता है। ऐसे बच्चे बेहतर विद्यार्थी बनते हैं, आगे चलकर अधिक सक्षम और उत्पादक नागरिक बनते हैं, और समाज भी अधिक मजबूत और सक्षम बनता है। भारत के पास विकसित भारत का सपना है। उसके पास व्यवस्थाएं हैं। उसके पास विज्ञान है। अब जरूरत इस बात की है कि शुरुआती बचपन के पोषण को केवल कल्याणकारी योजना का हिस्सा न माना जाए, बल्कि उसे उस बुनियाद के रूप में देखा जाए, जिस पर बाकी सब कुछ टिका है।

(लेखक, नई दिल्ली के मधुकर रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में बाल चिकित्सा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार और न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई) के अध्यक्ष हैं।)

पेट्रोल संकट का दीर्घकालीन समाधान भारत के पास है

कुलभूषण उपमन्यु

हर घर में गोबर गैस प्लांट बनाना शायद संभव नहीं होगा किन्तु कुछ में तो संभव होगा। शेष संसाधन को वाणिज्यिक स्तर पर बड़े और आधुनिक तकनीक पर कार्य करने वाले गोबर गैस प्लांट बना कर ऊर्जा सुरक्षा की ओर आत्मनिर्भर कदम बढ़ाया जा सकता है, और आयात बिल और विदेशी मुद्रा को भी बचाया जा सकता है। जिस तरह एथनोल उत्पादन कार्य को गंभीरता से तेज गति से बढ़ाया गया है यदि उसी भावना से गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन दे कर आगे बढ़ाया जाए तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

ईरान, इजराइल-अमेरिका युद्ध ने वैश्विक स्तर पर खनिज तेल आधारित ऊर्जा व्यवस्था को डांवाडोल कर दिया है। भारतवर्ष पर इसका खासा असर होना स्वाभाविक है क्योंकि हमारी 85 फीसद ऊर्जा जरूरतें आयात के माध्यम से ही पूरी होती हैं और इसका बड़ा भाग मध्य पूर्वी देशों से ही आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री नौवहन में युद्ध के कारण आई रुकावट के चलते यह स्पष्ट हो चुका है कि इस तरह की स्थितियां देश की घरेलू, औद्योगिक, और सैनिक जरूरतों के लिए घातक साबित हो सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध के चलते खनिज तेल की कीमतें दुगनी हो चुकी हैं।

सरकार ने अभी तक तो घरेलू ऊर्जा जरूरतों पर बढ़ी हुई कीमतों का उतना असर नहीं होने दिया है किन्तु लंबे समय तक ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान को ध्यान में रख कर ही सरकार ने एथनोल को पेट्रोल में मिला कर पेट्रोलियम पदार्थों की मांग कम करने का प्रयास शुरू किया है। एथनोल के प्रयोग को लगातार बढ़ाते जाने की योजना पर काम हो रहा है, लेकिन इसकी भी सीमा है जिससे आगे एथनोल उत्पादन संभव नहीं होगा। हमारे पास और भी संसाधन हैं जिनके योजनाबद्ध उपयोग से हम उर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता में बड़ा योगदान कर सकते हैं। हमारे पास कृषि अपशिष्ट और गोबर का प्रचुर भंडार है, जिससे मीथेन, सीएनजी, पीएनजी बना कर खनिज तेल की आयात जरूरतों को कम किया जा सकता है। फिलहाल उपलब्ध गोबर का उपयोग करने पर क्या स्थितियां बनेंगी इस पर विचार करते हैं।

देश में 2025 की पशु गणना के अनुसार 193.50 करोड़ गोवंश और 109.85 करोड़ भैंस हैं। कुल 303.35 करोड़ ऐसा पशु धन है जिनके गोबर से मीथेन गैस बनाई जा सकती है। एक किलो मीथेन गैस बनाने के लिए लगभग 30 किलो गोबर चाहिए, जो हमें दो पशुओं से दैनिक प्राप्त हो सकता है। इस तरह 150 करोड़ किलो गैस प्रतिदिन बनाई जा सकती है। साल में कुछ कमीबेशी को छोड़ दें तो 300 दिन का गिनते हैं। इससे 45000 करोड़ किलो गैस प्रतिवर्ष बनाई जा सकती है।

इसको टन में बदल लें तो 45 करोड़ टन हुए। एक सिलिंडर में 15 किलो गैस के हिसाब से एक टन से 66 सिलेंडर भरे जा सकते हैं। 45 करोड़ टन से 2970 करोड़ सिलेंडर भरे जाएंगे। देश की आबादी को 140 करोड़ मानते हुए औसत पांच प्राणियों का परिवार मानते हुए 28 करोड़ परिवार हुए। यदि हर महीने प्रति परिवार एक सिलेंडर की खपत मान कर चलें तो 12 महीने में 336 करोड़ सिलेंडर की खपत होगी। जबकि हमारे पास संसाधन 2970 करोड़ सिलेंडर भरने की है। यानि इस क्षमता का 15-20 प्रतिशत दोहन भी कर लिया जाए तो घरेलू खपत को पूरा किया जा सकता है और इससे आगे व्यवसायिक खपत की भी गुंजाइश रह जाती है।

हर घर में गोबर गैस प्लांट बनाना शायद संभव नहीं होगा किन्तु कुछ में तो संभव होगा। शेष संसाधन को वाणिज्यिक स्तर पर बड़े और आधुनिक तकनीक पर कार्य करने वाले गोबर गैस प्लांट बना कर ऊर्जा सुरक्षा की ओर आत्मनिर्भर कदम बढ़ाया जा सकता है, और आयात बिल और विदेशी मुद्रा को भी बचाया जा सकता है। जिस तरह एथनोल उत्पादन कार्य को गंभीरता से तेज गति से बढ़ाया गया है यदि उसी भावना से गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन दे कर आगे बढ़ाया जाए तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

इससे किसानों को भी गोबर उपलब्ध करवाने के बदले अतिरिक्त कमाई हो सकती है। इस प्रक्रिया में गैस तो निकल जाती है, शेष गोबर, डाईजेस्टर में अच्छी तरह सड़ कर बाहर आता है जो ज्यादा गुणवत्ता पूर्ण खाद होता है। इसके अलावा फसलों के अपशिष्ट, पराली या गेहूं के अपशिष्ट भी सीएनजी, पीएनजी बनाने के लिए उपयोग कर लिए जाएं तो काफी बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस के आयात में कमी आ सकती है।

फसल अपशिष्ट से सीएनजी बनाने के कुछ संयंत्र तो शुरू भी हो चुके हैं। इन सब कामों के लिए तकनीक तो हमारे पास उपलब्ध ही है केवल राजनीतिक इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प से आरंभ करने की बात है। फसल अपशिष्ट इस तरह इस्तेमाल कर लेने से उन्हें जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण और उससे होने वाली बीमारियों और असमय मौतों से भी बचा जा सकता है। इस कार्य में भी कुछ कठिनाइयां तो आएंगी किन्तु अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गुलामी से मुक्ति भी तो मिलेगी।

(लेखक, पर्यावरणविद और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं)

केजरीवाल के लिए अंतिम अवसर

मनोज कुमार मिश्र

अगले साल देश के सात राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यह हैं-पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश। इनमें से पंजाब और हिमाचल प्रदेश के अलावा सभी पांचों राज्यों में अभी भाजपा की सरकार है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में है और दिल्ली में सत्ता जाने के बाद आम आदमी पार्टी(आआपा) केवल पंजाब में सत्ता में है। भाजपा तो हर राज्य में चुनाव लड़ने और जीतने की रणनीति में लगी हुई है लेकिन इस बार उसका फोकस पंजाब जीतने पर होने वाला है। एक तो हिमाचल प्रदेश वैसे ही भाजपा का मजबूत गढ़ रहा है, दूसरे हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार शुरू से ही गिरते-पड़ते चल रही है। इसलिए आम धारणा है कि जब भी चुनाव होंगे भाजपा आसानी से चुनाव जीत जाएगी।

भाजपा पंजाब चुनाव को उसी तरह लड़ने वाली है जिस तरह से उसने पश्चिम बंगाल का चुनाव लड़ा और ममता बनर्जी जैसी जमीन से जुड़ी और लड़ाकू महिला को पराजित करके पहली बार जीत हासिल की। चुनाव तो पिछले महीने भी पांच राज्यों के विधानसभा के हुए थे। भाजपा पहले से सत्ता में काबिज असम और पुडुचेरी में जीत हासिल की। केरल में वोट औसत बढ़ने के साथ भाजपा को तीन सीटें मिली। तमिलनाडु में भी भाजपा को वोट औसत बढ़ा। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए बड़ी उपलब्धि यह रही कि देश में विपक्षी राजनीति का झंडा थामने वाले नेताओं में से ममता बनर्जी की तरह तमिलनाडु मुख्यमंत्री रहे एम के स्टालिन सत्ता से बाहर हो गए। पंजाब चुनाव नतीजे आआपा के पक्ष में न आने पर न केवल आआपा के बिखरने के साथ-साथ बल्कि आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक पारी का समापन भी होने का खतरा है।

आआपा और उसके सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल सत्ता के लिए बने हैं इसे इस राजनीतिक पार्टी के 14 साल के इतिहास ने साबित किया है। समाजसेवी अन्ना हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के सहारे राजनीति में आने वाले केजरीवाल ने वह सभी काम किए जो इस देश के आम राजनेता करते रहे हैं या इसके लिए राजनेता बदनाम हैं। कई मामलों में तो केजरीवाल ने परंपरागत दलों के नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। सत्ता में आने के लिए उन्होंने जो वादे किए थे, सत्ता में आने के बाद सारे आचरण उसके उलट किए। दिल्ली की सत्ता से बाहर होने के बाद भी उनका व्यवहार नहीं बदला। 2025 के विधानसभा चुनाव में जो आरोप मुद्दे बने उसमें शराब घोटाला से लेकर अपने सरकारी आवास को करोड़ों खर्च करके शीश महल बनवाना प्रमुख रहे। बावजूद इसके पूर्व मुख्यमंत्री के नाते मिले सरकारी आवास में उन पर फिर से लाखों रुपये लगाने का आरोप लगा है।

2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने 1974 के बिहार छात्र आंदोलन और उससे लगे आपातकाल के खिलाफ देश भर में हुए आंदोलन को फिर से दोहरा दिया था। पहला विवाद को अन्ना हजारे के मना करने के बावजूद 26 नवंबर,2012 को राजनीतिक पार्टी आआपा बनाने पर हुआ। हजारों पढ़े-लिखे नौजवान देश-विदेश की नौकरी छोड़कर और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में ऊंची हैसियत और मानदंड रखने वालों ने उस आंदोलन में अपना सभी कुछ न्योछावर कर दिया था। सत्ता में आने और अपना असली रंग दिखाने के बाद वही लोग एक-एक करके लोग अलग होने लगे। कुछ को केजरीवाल ने अपमानित करके निकाला। इसकी लंबी श्रृंखला बनती जा रही है। अभी सबसे बड़ा झटका आआपा के बड़े नाम राघव चड्ढा और संदीप पाठक के साथ दस में से सात राज्य सभा सदस्यों का पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने से लगा है। उनमें से एक स्वाति मालीवाल तो काफी समय से तो केवल तकनीकी तौर पर आआपा में थी वे अपने साथ मुख्यमंत्री केजरीवाल के सरकारी आवास में मारापीट होने के बाद से ही अलग हो गई थी। अब आआपा के साथ तीन राज्यसभा और तीन लोकसभा सदस्य हैं।

इन चौदह सालों के घटनाक्रम ने एक बात तो साबित कर दी कि अरविंद केजरीवाल सत्ता के बिना नहीं रह सकते हैं और उनकी महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की है। भाजपा और कांग्रेस विरोधी अनेक बुद्धिजीवियों के प्रभाव में आकर केजरीवाल ने 2014 में देश भर में लोकसभा चुनाव लड़ना तय किया। भारी पराजय के बाद अपने लोगों के गुस्सा से बचने के लिए जमानत तुड़वाकर जेल गए। 2015 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी सफलता के बावजूद रामलीला मैदान में दूसरी बार मुख्यमंत्री की सफल लेते हुए कहा कि उन्हें दिल्ली की जनता से जनादेश उनकी सेवा करने के लिए मिला है, वे दिल्ली से बाहर नहीं जाएंगे। तब से लेकर अब तक उनके बयान और दावों में लगातार बदलाव होते ही गए। जो हालात बनते जा रहे हैं उसमें केजरीवाल की तुलना विदेशी घुसपैठ के खिलाफ आंदोलन चलाकर सीधे छात्र आंदोलन से असम गण परिषद राजनीतिक दल बनाकर विधानसभा चुनाव जीतकर 1985 में असम के मुख्यमंत्री बने प्रफुल्ल कुमार महंत से की जाने लगी है।

आज की तारीख में महंत की असम की राजनीति में कोई चर्चा तक नहीं होती है। केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के नाम से राजनीतिक दल बनाकर 2013 में होने वाले दिल्ली विधान सभा चुनाव लड़ना तय किया। पहले ही चुनाव में ही बिजली-पानी फ्री का मुद्दा कारगर हुआ। आआपा को 70 सदस्यों वाली विधानसभा में करीब 30 फीसद वोट और 28 सीटें मिली। भाजपा करीब 34 फीसद वोट के साथ 32 सीटें जीती और दिल्ली में 15 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस को 24.50 फीसद वोट के साथ केवल आठ सीटें मिली। भाजपा के मना करने पर आआपा ने कांग्रेस से बिना मांगे समर्थन से सरकार बनाई और नियम का पालन किए बिना लोकपाल विधेयक विधानसभा में पेश करने से रोके जाने के खिलाफ 49 दिन पुरानी सरकार ने इस्तीफा दिया।

2014 के लोकसभा चुनाव में आआपा ने देश भर में चुनाव लड़ना तय किया। खुद केजरीवाल भाजपा के प्रधानमंत्री के घोषित उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी के खिलाफ बनारस चुनाव लड़ने पहुंच गए। वे तो बुरी तरह से हारे ही आआपा के ज्यादातर प्रमुख नेता लोकसभा चुनाव लड़े और पराजित हुए। केवल पंजाब में चार सीट आआपा जीत पाई। बाद में उसमें से दो सांसद आआपा से अलग हो गए और 2019 के लोकसभा चुनाव में केवल अभी के मुख्यमंत्री भगवंत मान चुनाव जीते। 2024 में उसे केवल पंजाब में ही तीन सीटें मिली। 2014 के चुनाव में केजरीवाल ने बड़ा सपना देखा था, वे परिणाम से इतने आहत हुए थे कि कार्यकर्ताओं का गुस्सा शांत करने के लिए जबरन जमानत तुड़वाकर जेल गए। इतना ही नहीं एक-एक करके पार्टी के दिग्गजों-पूर्व कानून मंत्री शांति भूषण, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, योगेन्द्र यादव, प्रो. आनंद कुमार इत्यादि को पार्टी से बाहर किया। बाद में कुमार विश्वास समेत अनेक दिग्गज नेता बाहर हुए। यह सिलसिला आज भी जारी है। कहा जाता कि आआपा में वही रह सकता है जो केजरीवाल के किसी फैसले पर सवाल न उठाए। बावजूद इसके आआपा को कई बड़ी सफलता मिल गई।

कांग्रेस की कमजोरी और भाजपा की अधूरी तैयारी के चलते और बिजली-पानी फ्री करने के वादे ने आप को 2015 के चुनाव में दिल्ली विधानसभा में रिकार्ड 54 फीसदी वोट के साथ 67 सीटों पर जीत दिलवा दी। उस चुनाव के बाद पार्टी में अरविंद केजरीवाल का राजनीतिक कद और बढ़ गया। दोबारा मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने दिल्ली से बाहर पार्टी को न ले जाने का घोषणा कर दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि पार्टी को वोट उनके नाम से मिलते हैं। 2020 के दिल्ली विधान सभाचुनाव में फिर उन्होंने रिकार्ड 54 फीसद वोट के साथ 62 सीटें जीती। 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव में तो आआपा को कोई सफलता नहीं मिली लेकिन पंजाब में बेहतर नतीजे मिले। 2017 के चुनाव में 117 सीटों की विधानसभा में आआपा को 20 सीटें मिली। 2022 में उसे न केवल 92 सीटें मिली और उसकी दिल्ली से बाहर सरकार बनी। गुजरात और गोवा में चुनाव लड़कर आआपा 10 अप्रैल,2023 को अखिल भारतीय पार्टी बन गई। सत्ता ने उन्हें आम आदमी से खास आदमी बना दिया। सुरक्षा के भारी तामझाम से उनकी लोगों से दूरी बढ़ी और जिस वीआईपी कल्चर का विरोध करके राजनीति में आए उसी कल्चर के प्रतीक बन गए। शराब घोटाले में कई बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद खुद केजरीवाल जेल गए। 2024 का लोकसभा चुनाव और 2015 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने अपने को प्रताड़ित करने का मुद्दा बनाने की असफल कोशिश की। 70 सदस्यों वाली विधानसभा चुनाव में भाजपा 48 सीटों के साथ 27 साल बाद सत्ता में लौटी। आआपा को 22 सीटें मिली। मतों का अंतर केवल दो फीसद का था। पहली बार आआपा 2022 के दिल्ली नगर निगम चुनाव जीती थी। उसे 250 में से134 सीटें मिली थी। भाजपा को 104 सीटें मिली थी। केन्द्र में भाजपा की सरकार होने का लाभ उसे मिलता रहा। बहुमत के बावजूद महीनों कवायद के बाद आआपा का मेयर बना। इन ढाई सालों में आआपा के पार्षद भाजपा में आते रहे। इतना ही नहीं आआपा में जाकर पार्षद बने 16 निगम पार्षद अलग दल बनाकर आप से अलग हो गए। निगम में दलबदल विरोधी कानून नहीं लागू है। अब निगम में भी भाजपा बहुमत में है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

यूपी टी-20 सीजन चार होगा और भव्य, 14 अगस्त से ग्रीनपार्क में मुकाबले : डॉ संजय कपूर

एजेंसी
कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम में यूपी टी-20 लीग के सीजन चार का आयोजन 14 अगस्त से छह सितंबर 2026 तक किया जाएगा। यूपी टी-20 के चेयरमैन डॉ संजय कपूर ने प्रेसवार्ता में बताया कि इस बार लीग को और अधिक भव्य बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में कानपुर सुपर स्टार, लखनऊ फाल्कन्स, गोरखपुर लायन्स, काशी रुद्रास, मेरठ मेवरिक्स और नोएडा सुपरकिंग्स फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी। डॉ कपूर ने बताया कि इस बार लीग का उद्देश्य यूपी टी-20 को देश की 'मिनी आईपीएल' के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि प्रदेश के 75 जिलों और करीब 25 करोड़ लोगों की प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच देने का माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि लीग का आयोजन 'कंसोलिडेशन एंड डिलीवरी' की थीम के साथ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फ्रेंचाइजी न्यूनतम छह और अधिकतम बारह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेंगी। प्रत्येक टीम में तेईस से पच्चीस खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें नीलामी के खिलाड़ियों के साथ स्थानीय कैचमेंट क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी मौका दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक टीम के लिए एक करोड़ 25 लाख रुपये निर्धारित किया गया है और उभरते खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम फीस संरचना को जारी रखा गया है।

विराट कोहली का आईपीएल में नौवां शतक, टी20 में सबसे तेज 14,000 रन पूरे

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रायपुर में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए इतिहास रच दिया। कोहली ने आईपीएल करियर का नौवां शतक लगाने के साथ टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 14,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद दबाव में दिख रहे 37 वर्षीय कोहली ने केकेआर के खिलाफ शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने 60 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और तीन छक्के शामिल रहे। कोहली की इस विस्फोटक पारी की बदौलत आरसीबी ने 192 रनों के लक्ष्य का सफल पीछा किया और मुकाबले में 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। यह केकेआर के खिलाफ कोहली का दूसरा आईपीएल शतक रहा, जबकि 2024 के बाद यह उनका पहला आईपीएल शतक है। टी20 क्रिकेट में 14,000 रन पूरे करने वाले कोहली दुनिया के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले एलेक्स हेल्स, कीरोन पोलार्ड, डेविड वॉर्नर, जोस बटलर और क्रिस गेल यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

आरसीबी की धमाकेदार जीत, केकेआरको 6 विकेट से हराया

रायपुर। आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। यह मुकाबला रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेला गया, जहां दर्शकों को हाई-स्कोरिंग और रोमांच से भरपूर मैच देखने को मिला। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 192 रन बनाए। टीम की ओर से सबसे शानदार प्रदर्शन अंगकृष रघुवंशी ने किया, जिन्होंने 46 गेंदों में 71 रन की बेहतरीन पारी खेली। उनकी पारी में 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। अंतिम ओवरों में केकेआर को रिंकू सिंह की आक्रामक बल्लेबाजी का भी फायदा मिला, जिन्होंने 29 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए। इसके अलावा फिन एलन ने 18 रन और कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 19 रन का योगदान दिया। कैमरन ग्रीन ने भी 32 रन की उपयोगी पारी खेली। गेंदबाजी में आरसीबी की ओर से भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और रसिख सलाम डार ने 1-1 विकेट हासिल किया।

दिल्ली को ग्लोबल स्पोर्ट्स हब बनाने पर चर्चा, कपिल देव ने दिया सहयोग का भरोसा

नई दिल्ल। भारत के महान क्रिकेटर और प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष कपिल देव ने दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधु से मुलाकात की। इस दौरान राजधानी दिल्ली को विश्वस्तरीय ग्लोबल सिटी के रूप में विकसित करने में गोल्फ की संभावित भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पीजीटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार की उन योजनाओं और पहलों का जिक्र किया, जिनका उद्देश्य राजधानी की अंतरराष्ट्रीय पहचान और वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करना है। उन्होंने इस दिशा में कपिल देव से सहयोग की अपील भी की। कपिल देव ने कहा कि दिल्ली में गोल्फ के विकास के लिए मजबूत आधार पहले से मौजूद है और वह ऐसे किसी भी प्रयास में अपना समय और सहयोग देने के लिए तैयार हैं, जो राजधानी की वैश्विक छवि को बेहतर बनाने में मदद करे। उन्होंने कहा कि खेल किसी भी शहर की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। बैठक के दौरान कपिल देव ने उपराज्यपाल को सिख गुरुद्वारों पर आधारित एक विशेष पुस्तक भी भेंट की, जिसे उन्होंने अपने लिए बेहद खास बताया। चर्चा में दिल्ली के प्रमुख गोल्फ केंद्रों का भी उल्लेख हुआ। इनमें दिल्ली गोल्फ क्लब प्रमुख रहा, जहां प्रतिष्ठित इंडिया चैंपियनशिप आयोजित होती है और दुनिया के कई नामी गोल्फर हिस्सा लेते हैं। इसके अलावा कुतुब गोल्फ कोर्स में हाल ही में पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया।

इंटर मियामी ने एफसी सिनसिनाटी को 5-3 से हराया, मेसी ने किए दो गोल

एजेंसी
सिनसिनाटी। कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल और माटेओ सिल्वेटी और जर्मन बर्टेरम के गोल की मदद से इंटर मियामी सीएफ ने टीक्यूल स्टेडियम में एफसी सिनसिनाटी के खिलाफ 5-3 की रोमांचक वापसी करते हुए तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने एमएलएस रेगुलर सीजन के शुरुआती 9 मुकाबलों में सबसे ज्यादा पॉइंट (22) के साथ एफसी सिनसिनाटी (2024) के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मियामी ने मैच के 24वें मिनट में बढ़त बनाई, जब मेसी ने डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए बॉक्स के अंदर से गोल किया और इस रेगुलर सीजन में अपने गोलों की संख्या 10 कर ली। केविन डेन्की ने 44वें मिनट में हाफ टाइम से ठीक पहले मेजबान टीम के लिए पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत पावेल बुचा ने 49वें मिनट में सिनसिनाटी को बढ़त दिलाने के साथ की। हालांकि, 55वें मिनट में मेसी ने स्कोर

बराबर कर दिया। मेसी ने डी पॉल के पास को गोल पोस्ट में पहुंचाया। यह गोल इस रेगुलर सीजन में मेसी का 11वां गोल था, जबकि इस लीग में यह डी पॉल का छठा असिस्ट रहा। एवांडर ने 64वें मिनट में गोल करके सिनसिनाटी को फिर बढ़त दिलाई। इसके बाद मियामी की अटैकिंग यूनिट ने बचे मिनटों में जबरदस्त खेल दिखाया और मैच का रुख पलट दिया। दूसरे हाफ में सब्स्टिट्यूट माटेओ सिल्वेटी ने 79वें मिनट में मैच को 3-3 से बराबर कर दिया। इस गोल से सिल्वेटी के इस लीग कैंपेन में तीन गोल हो गए जबकि यह मेसी का पांचवां असिस्ट गोल रहा। 84वें मिनट में बर्टेरम ने इंटर मियामी की बढ़त को 4-0 कर दिया। फ्री किक के बाद बॉक्स में लूज बॉल का फायदा उठाकर बर्टेरम ने इस सीजन का अपना चौथा गोल किया। मैच के 89वें मिनट में सिनसिनाटी के गोलकीपर रोमन कैलेटानो गेंद को पकड़ने के प्रयास में अपना ही गोल कर बैठे। इस गोल के साथ ही इंटर मियामी की 5-3 से जीत सुनिश्चित हो गई।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप रेस में विराट कोहली तीसरे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस लगातार रोमांचक होती जा रही है। रायपुर में खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुकाबले के बाद दोनों सूचियों में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

ऑरेंज कैप की दौड़ में विराट कोहली की बड़ी छलांग

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने केकेआर के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए टीम को 193 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाया। इस पारी के साथ कोहली ऑरेंज कैप की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

विराट कोहली ने इस सीजन 12 पारियों में 165.75 के स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए हैं। उनसे आगे सिर्फ गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन (501 रन) और सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन (508 रन) हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ में इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 477 रन बनाकर पांचवें स्थान पर मौजूद हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 467 रन के साथ छठे नंबर पर हैं। गेंदबाजों की सूची में आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पर्पल कैप की दौड़ में बढ़त बना ली है। केकेआर के खिलाफ उन्होंने 1 विकेट हासिल किया, जिसके बाद उनके कुल विकेट 22 हो गए हैं। भुवनेश्वर ने इस प्रदर्शन के साथ गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 21 विकेट हैं।

थाईलैंड ओपनः पीवी सिंधु, सात्विक-चिराग ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

एजेंसी
बैंकॉक। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और थॉमस कप ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को यहां अपनी-अपनी दूसरी जीत के साथ बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने डेनमार्क की शटलर अमाली शुल्ज को सिर्फ 28 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। इस टूर्नामेंट में सिंधु की यह लगातार दूसरी जीत थी। इससे पहले पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने पहले राउंड के मैच में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को 21-9, 21-12 से हराया था। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से भिड़ेंगी। भारतीय स्टार ने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में जापानी खिलाड़ी पर 15-13 की बढ़त बनाई हुई है। दूसरी ओर, सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी ब्रायन जेरेमी गूनटिंग और मुहम्मद हाइकल को सीधे गेम में 21-12 और 21-19 से हराया। खास बात यह है कि सात्विक और चिराग ड्रॉ में टॉप सीड

वाले अकेले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में पिछली बार (2019, 2024) जीत हासिल की है। अब वे सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए छठी सीड वाली जापानी जोड़ी ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी से भिड़ेंगे। थॉमस कप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद टूर्नामेंट में शिरकत करने उतरी सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया के मुह पुत्रा एरवियनस्याह और बगास मौलाना के खिलाफ 21-19, 21-23, 21-10 से जीत दर्ज की थी। वहीं, ओपनिंग राउंड में, श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवें सीड लोह कीन यू को सीधे गेम में 21-14, 21-15 से हराया था। थॉमस कप में अपनी चोट से वापसी कर रहे लक्ष्य ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 43 मिनट में 21-16, 21-17 से मात देते हुए टूर्नामेंट का आगाज किया है। देविका ने शुरुआती राउंड में जापान की एन. निदाइरा को हराया था, जबकि विश्व की 50वें नंबर की खिलाड़ी बंसोड़ झांग येन यू (13-21, 26-24, 21-13) के खिलाफ एक उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में बाजी मारने में सफल रही थीं। हालांकि, विश्व के 48वें नंबर के खिलाड़ी अनमोल खार्ब का सफर पहले राउंड में ही खत्म हो गया, जब उन्हें वर्ल्ड नंबर 4 चेन यू फेई के खिलाफ एक घंटे दस मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-19, 13-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के नए कोच बने फ्रेडरिक सोयेज

एजेंसी
नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को फ्रांस के अनुभवी कोच फ्रेडरिक सोयेज को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भारत के 2036 ओलंपिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए मजबूत और दीर्घकालिक हाई-परफॉर्मेंस ढांचा तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। यूरोपीय हॉकी के सबसे अनुभवी और सफल कोचों में गिने जाने वाले फ्रेडरिक सोयेज के पास तीन दशक से अधिक का अनुभव है। वह 15 वर्षों तक फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहे, जबकि पिछले 15 वर्षों से विश्व स्तरीय हॉकी टीमों के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं।फ्रेडरिक सोयेज ने 1995 से 2010 तक फ्रांस के लिए खेलते हुए 196 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 195 गोल दागे। इसके बाद उन्होंने फ्रांस और स्पेन की राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीमों की कोचिंग दी। वह तीन ओलंपिक खेलों का अनुभव भी रखते हैं। उन्होंने स्पेन टीम को रियो 2016 और टोक्यो 2020 ओलंपिक में मार्गदर्शन दिया, जबकि पेरिस 2024 ओलंपिक

में फ्रांस टीम के मुख्य कोच रहे। उनकी कोचिंग में स्पेन ने 2019 यूरोपीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। इसके अलावा टीम ने रियो और टोक्यो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। युवा खिलाड़ियों को निखारने में भी सोयेज का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 2013 में दिल्ली में आयोजित एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में फ्रांस को ऐतिहासिक रजत पदक दिलाया था। हाल ही में उन्होंने 2025 यूरोपीय चैंपियनशिप में फ्रांस की अंडर-18 पुरुष टीम को भी रजत पदक तक पहुंचाया। सोयेज 2021 से 2024 तक फ्रेंच हॉकी फेडरेशन के हाई-परफॉर्मेंस निदेशक भी रहे, जहां उन्होंने खिलाड़ियों के विकास और प्रदर्शन प्रणाली की जिम्मेदारी संभाली। उनके कोचिंग करियर में दो एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप (2018 और 2023) तथा छह यूरोपीय चैंपियनशिप शामिल हैं। घरेलू स्तर पर उन्होंने लिले एमएचसी क्लब को 2012 में फ्रेंच इंडोर और आउटडोर चैंपियनशिप खिताब भी दिलाए। फ्रेडरिक सोयेज को हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम, खिलाड़ी विकास और पेनल्टी कॉर्नर रणनीति के विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। उन्होंने टीमों को खास पहचान मजबूत रणनीति और निरंतर प्रदर्शन रही है।

पीएसजी ने लगातार पांचवीं बार जीता लीग 1 का खिताब

एजेंसी
लेंस। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने लगातार पांचवीं बार लीग 1 का खिताब अपने नाम कर लिया है। पीएसजी को रेसिंग क्लब डी लेंस के खिलाफ मिली 2-0 की जीत के बाद आधिकारिक तौर पर फ्रांस की इस लीग का विजेता घोषित किया गया। लेंस पर मिली यह जीत पीएसजी की 2025-2026 सीजन में घर से बाहर खेलते हुए 11वीं जीत है। इस डिवीजन में घर से बाहर खेलते हुए यह किसी भी टीम द्वारा दर्ज की गई सबसे ज्यादा जीत है।पीएसजी ने अब तक का अपना 14वां टॉप-फ्लाइट टाइटल जीता है। इसके साथ ही क्लब के इतिहास में पहली बार लीग 1 के खिताब को लगातार पांचवीं बार अपने नाम किया है। यह क्लब की कुल 59वीं ट्रॉफी है। फ्रांस के सबसे दमदार फुटबॉल क्लब के रूप में इसके एक, पीएसजी, ने 2025-26 सीजन में यह चौथा खिताब जीता है। इससे पहले क्लब ने यूईएफए सुपर कप, फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल

कप और ट्रॉफी डेस चैंपियंस को भी अपने नाम किया है। पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, 'हमने इस सीजन में टॉप पर रहने के लिए जरूरी स्तर और महत्वाकांक्षा दिखाई। हम बहुत खुश हैं क्योंकि इस ट्रॉफी को जीतना काफी मुश्किल था। लेंस ने शानदार चैंपियनशिप जीती है। इस स्टेडियम में खेलना एक बड़ा मैच था, क्योंकि अगले सीजन में, हम दोनों चैंपियंस लीग में होंगे। हमें इस पल का मजा लेने की जरूरत है।'

अब, लगातार दूसरे यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचने के बाद, लुइस एनरिक की टीम 30 मई को बुडापेस्ट में आर्सेनल के खिलाफ एक और इतिहास रचने की कोशिश करेगी। 'हमें इस 14वें फ्रेंच लीग टाइटल पर बहुत गर्व है, जो क्लब के इतिहास में पहली बार हमारा लगातार पांचवां टाइटल है। खिलाड़ियों लुइस एनरिक, लुइस कैम्पोस और सभी बैकरूम स्टाफ को उनके शानदार काम के लिए बधाई। यह सफलता पेरिस सेंट-जर्मेन में सभी की बेहतरीन टीम कोशिश और हमारी एकेडमी की ताकत का नतीजा है, खासकर पांच युवा खिलाड़ियों के प्रोफेशनल डेब्यू के साथ। पेरिस सेंट-जर्मेन के प्रेसिडेंट नासिर अल-खेलाईफी ने कहा, 'हमारा फोकस अब पूरी तरह से बुडापेस्ट में हमारे आने वाले मुकाबलों पर है और हमें और भी बहुत काम करना है क्योंकि हम साथ मिलकर इतिहास रचते रहेंगे।'

अमेरिकी दिग्गज वीनस विलियम्स 45 साल की उम्र में करेंगी फ्रेंच ओपन में वापसी, हेली बैपटिस्ट के साथ खेलेंगी महिला युगल

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स एक बार फिर ग्रैंड स्लैम कोर्ट पर नजर आएंगी। 45 वर्षीय वीनस इस महीने शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन 2026 में महिला युगल मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। वह युवा अमेरिकी खिलाड़ी हेली बैपटिस्ट के साथ जोड़ी बनाकर खेलेंगी, जो उनसे 21 साल छोटी हैं। फ्रेंच ओपन आयोजकों ने महिला युगल स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की, जिसमें वीनस विलियम्स और हेली बैपटिस्ट की जोड़ी भी शामिल है। रोलां गैरां में होने वाला यह प्रतिष्ठित क्ले कोर्ट टूर्नामेंट 24 मई से शुरू होगा। वीनस विलियम्स ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में वाइल्ड कार्ड के जरिए वापसी की थी,

जहां वह पहले दौर में हार गई थीं। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी भी बनी थीं। सात ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीत चुकी वीनस एक समय महिला एकल और युगल दोनों वर्गों में विश्व नंबर-1 रह चुकी हैं। फ्रेंच ओपन में उनका शानदार इतिहास रहा है। वर्ष 2002 में वह महिला एकल फाइनल में अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स से हार गई थीं। वहीं वीनस और सेरेना की जोड़ी ने 1999 और 2010 में फ्रेंच ओपन महिला युगल खिताब अपने नाम किए थे।

लाजियो को 2-0 से हराकर इंटर मिलान ने 10वीं बार जीता कोप्पा इटालिया का खिताब

एजेंसी
रोम। इंटर मिलान ने लाजियो पर 2-0 से जीत के साथ अपना दसवां कोप्पा इटालिया फुटबॉल खिताब जीता। इस जीत के साथ ही इंटर मिलान ने इस सीजन का ऐतिहासिक 'डोमेस्टिक डबल' पूरा किया। इंटर मिलान ने इसी साल मई में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए 21वां सीरी ए के खिताब को अपने नाम किया था। टीम के लिए पहला गोल मार्कस थुरम ने किया। फेडेरिको डिमार्को के कॉर्नर पर मार्कस थुरम का शानदार हेडर लाजियो के खिलाड़ी एडम मारुसिक से टकराकर गोल पोस्ट में चला गया। इसके बाद मैच के 35वें मिनट में इंटर मिलान ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। पेनल्टी बॉक्स से दिए गए डेनजेल डमफ्रीज के शानदार पास को

लुटारो मार्टिनेज ने खाली पड़े गोल पोस्ट में पहुंचाया। लाजियो के खिलाफ फाइनल में मिली धमाकेदार जीत के बाद इंटर मिलान के मैनेजर क्रिस्टियन चिवु ने इंटरव्यू में अपनी भावनाएं शेयर कीं। उन्होंने कहा, 'इंटर ने इस सीजन में दो ट्रॉफी जीती हैं, और हम इसके हकदार थे क्योंकि हमारा कैंपेन बहुत अच्छा रहा। हमने इन वर्षों में जो भी कुछ हासिल किया है, उसके लिए हम बेहद खुश हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमें इन जबरदस्त फैंस और क्लब के लिए भी खुशी है, जिन्होंने हमेशा हमारा साथ दिया है। हम इस सीजन में जो कुछ भी हासिल करेंगे, उसका आनंद लेंगे। लीग और कोप्पा इटालिया जीतना कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे आप हल्के में ले सकते हैं; दो ट्रॉफी उठाना कभी आसान नहीं होता।' लौटारो मार्टिनेज ने कहा, 'हमारे लिए यह एक बहुत ही जरूरी और सार्थक जीत है, पिछले साल के बाद वापसी करना आसान नहीं था। हम खेल, तेजी, परफॉर्मेंस और नतीजों के मामले में सच में एक महत्वपूर्ण सीजन बनाने में कामयाब रहे। मैं खुश हूं क्योंकि हम साल को दो ट्रॉफी के साथ खत्म कर रहे हैं; यह हमारे लिए सच में बहुत जरूरी रहा है। हाल के सालों में हमने जो कुछ भी किया है, उसके लिए इंटर मिलान के बारे में हमेशा बहुत बातें होती हैं, लेकिन हमें खिताब जीतने के लिए इसी रास्ते पर चलते रहना होगा क्योंकि हम यही चाहते हैं: इस सीजन में हमने दो जीते हैं और हम सच में बहुत खुश हैं।'

ईस्ट ज़ोन इंटर स्कूल ओपन कराटे प्रतियोगिता के पदक विजेताओं को किया गया सम्मानित

एजेंसी
वाराणसी। ईस्ट ज़ोन इंटर स्कूल ओपन कराटे प्रतियोगिता 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को कानिनजुकु आरबी मार्शल आर्ट्स अकादमी की ओर से गुरुवार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह खिलाड़ियों की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. प्रभाकर शर्मा तथा असिस्टेंट प्रोफेसर मुकेश कुमार ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 13 मई तक संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल, कोइराजपुर वाराणसी में किया गया था। सम्मानित खिलाड़ियों में स्वर्ण पदक विजेता शिवाक्षी त्रिगुण, अधीता वर्मा, अद्विजा उपाध्याय, आर्याही सहगल, शिवेश शर्मा, आयुष राय, आरुषि वर्मा, अनुष्का कुमारी और आरुष देव वर्मा शामिल रहे। रजत पदक विजेताओं में अदिति अहिरवार और सताक्षी त्रिगुण को सम्मानित किया गया। कांस्य पदक विजेता अरिंदम उपाध्याय और राघव त्रिपाठी को भी सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर टीम कोच अदिति सोनकर भी मौजूद रहीं। सम्मान समारोह में खिलाड़ियों के अभिभावकों, प्रशिक्षकों तथा अन्य खिलाड़ियों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों की मेहनत,

अनुशासन और उपलब्धियों की सराहना की गई। अकादमी के कोच अरविंद कुमार यादव ने कहा कि खेल बच्चों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। कराटे जैसे खेल बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और मानसिक मजबूती विकसित करते हैं। साथ ही खेल भावना के जरिए बच्चों का शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास भी होता है। खिलाड़ियों की यह सफलता निरंतर अभ्यास, समर्पण और सकारात्मक सोच का परिणाम है, जो अन्य बच्चों को भी खेल के प्रति प्रेरित करेगी।

कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स की तैयारी तेज, नीरज-मनु को विदेशी ट्रेनिंग की मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली। आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने भारत के स्टार खिलाड़ियों के विदेशी प्रशिक्षण प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इसमें दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और निशानेबाज मनु भाकर प्रमुख रूप से शामिल हैं। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सचिव एस. हरि रंजन राव की अध्यक्षता में हुई मिशन ओलंपिक सेल की 173वीं बैठक में नीरज चोपड़ा के 47 दिन के स्विट्जरलैंड प्रशिक्षण शिविर को हरी झंडी दी गई। वर्तमान में पीठ की चोट से उबर रहे नीरज तुर्किये में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं और 25 मई से 10 जुलाई तक स्विट्जरलैंड के बिएन स्थित ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास करेंगेहरियाणा के 28 वर्षीय भाला फेंक खिलाड़ी ने 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2018 तथा 2022 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया था। इस बार भी उनसे स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। प्रशिक्षण दौरे पर उनके साथ लंबे समय से जुड़े फिजियोथेरेपिस्ट ईशान मरवाहा और कोच जय चौधरी भी रहेंगे। एमओसी ने स्टार पिस्टल शूटर मनु भाकर के इटली के लुक्का में प्रशिक्षण प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 13 से 22 मई तक चलने वाले इस कैंप में उनके साथ कोच जसपाल राणा और फिजियोथेरेपिस्ट स्नेहिल खुराना मौजूद रहेंगे।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ बन सकते हैं सिडनी थंडर के नए मुख्य कोच, जल्द हो सकती है आधिकारिक घोषणा

एजेंसी
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी सिडनी थंडर जल्द ही इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त कर सकती है।ऑस्ट्रेलियाई खेल वेबसाइट कोड स्पोर्ट्स के अनुसार फ्लिंटॉफ इस पद की दौड़ में सबसे आगे रहे और अब उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है। सिडनी थंडर पिछले कोच ट्रेवर बेलिस से अलग होने के बाद नए मुख्य कोच की तलाश में थी। इंग्लैंड को 2019 वनडे विश्व कप जिताने वाले बेलिस ने पांच वर्षों तक टीम का मार्गदर्शन किया था। उनके कार्यकाल में टीम 2024-25 सीजन के फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन 2023-24 और 2025-26 सीजन में सिडनी थंडर अंतिम स्थान पर रही।

ट्रेंट कोपलैंड, जो सिडनी थंडर के महाप्रबंधक हैं, ने बेलिस के जाने के बाद कहा था कि टीम 'विश्वस्तरीय टी20 कोच' की तलाश कर रही है और अब

फ्लिंटॉफ के रूप में टीम को बड़ा नाम मिलने जा रहा है। एंड्रयू फ्लिंटॉफ पिछले एक साल से इंग्लैंड लायंस टीम के कोच के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड लायंस टीम का नेतृत्व भी किया था। इसके अलावा फ्लिंटॉफ इंग्लैंड की सीमित ओवर टीम के साथ सलाहकार की भूमिका भी निभा चुके हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में हालांकि उनका अनुभव सीमित रहा है। उन्होंने 2024 और 2025 सीजन में द हंड्रेड लीग की टीम नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को कोचिंग दी थी। उनके कार्यकाल में टीम चौथे और तीसरे स्थान पर रही। हालांकि 2026 सीजन में वह इस टीम के साथ नहीं होंगे, क्योंकि नए मालिक सन ग्रुप के साथ उनकी शर्तों पर सहमति नहीं बन सकी। फ्लिंटॉफ बीबीएल में खिलाड़ी के तौर पर भी हिस्सा ले चुके हैं। उन्होंने 2014-15 सीजन में ब्रिस्बेन हीट के लिए खेला था। यह उनके 20 साल लंबे पेशेवर करियर की अंतिम टीम भी रही। यदि फ्लिंटॉफ की नियुक्ति होती है तो उनके सामने सबसे बड़ा फैसला टीम की कप्तानी को लेकर होगा। मौजूदा कप्तान डेविड वॉर्नर पर अप्रैल में शराब पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगा था और इस मामले में 24 जून को अदालत में सुनवाई होनी है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स ने हाल ही में अपने कोचिंग ढांचे में कई बदलाव किए हैं। जेम्स होप्स को सिडनी सिक्सर्स का मुख्य कोच बनाया गया है, जबकि ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पीटर फोर्रेस्ट और डेनियल स्मिथ को सहायक कोच नियुक्त किया गया है।

सोने पर शुल्क बढ़ाने से आयात नहीं घटेगा बल्कि कीमतें बढ़ेंगी : जीजेईपीसी

एजेंसी

नई दिल्ली। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा कि सोने पर आयात शुल्क बढ़ाने से आयात पर अंकुश नहीं लगता, बल्कि कीमतें बढ़ती हैं। परिषद ने इसके स्थायी समाधान के लिए केंद्र सरकार से उद्योग के हितधारकों के साथ बातचीत करने की अपील की है। जीजेईपीसी ने एक बयान में कहा कि आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है। यह केवल कीमतें बढ़ाता है। हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में नहीं घटा है। परिषद के अनुसार उच्च शुल्क तस्करी को बढ़ावा देते हैं और निर्यात लागत बढ़ाते हैं। वहीं, निर्यातकों को अब नामित एजेंसियों से शुल्क-मुक्त सोना खरीदने पर प्रति किलोग्राम 28-30 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी पड़ रही है, जिससे कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। जीजेईपीसी ने बताया कि इसका सबसे गंभीर असर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) विनिर्माताओं पर पड़ेगा। बयान में कहा गया है कि परिषद में ऐसे 80 फीसदी सदस्य हैं जो ''गंभीर नकदी संकट'' का सामना कर रहे हैं। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह फीसदी से बढ़ाकर आज 15 फीसदी कर दिया। प्लैटिनम पर कर 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 15.4 फीसदी कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप सोने/चांदी के डोरे, सिक्के, अन्य वस्तुएं आदि पर भी कर में बदलाव किए गए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ 2025-26 में 11 फीसदी बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का मजबूत प्रदर्शन वित्त वर्ष 2025-26 में भी जारी रहा। इस दौरान बैंकों ने परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार के साथ रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि ये लगातार चौथा वर्ष है जब सरकारी बैंकों ने मुनाफे में रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार, ऋण के स्वस्थ विस्तार और आय में वृद्धि ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सरकारी बैंकों की लाभप्रदता में योगदान दिया। मंत्रालय के अनुसार बैंकों का कुल परिचालन लाभ 3.21 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि कुल शुद्ध लाभ में वार्षिक आधार पर 11.1 फीसदी की वृद्धि हुई। यह ऐतिहासिक रूप से 1.98 लाख करोड़ रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस तरह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लगातार चौथे वर्ष लाभप्रदता रही। सरकारी बैंकों का कुल कारोबार 31 मार्च, 2026 तक 283.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.8 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, कुल जमा राशि सालाना आधार पर 10.6 फीसदी बढ़कर 156.3 लाख करोड़ रुपये रही, जो जमाकर्ताओं के निरंतर भरोसे और बैंकों द्वारा मजबूत संसाधन जुटाने का परिणाम है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 1456 अंक लुढ़का

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और प्रधानमंत्री की देशवासियों से मितव्ययिता की अपील के बाद हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ है। सेंसेक्स 1,456.04 अंक फिसल गया, जबकि निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर आ गया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,456.04 अंक यानी 1.92 फीसदी लुढ़ककर 74,559.24 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 436.30 अंक यानी 1.83 फीसदी की गिरावट के साथ 23,379.55 के स्तर पर बंद हुआ है। शेयर बाजार में लगातार चौथे कारोबारी दिन ये गिरावट आई है। पिछले चार दिन में सेंसेक्स करीब 3,500 अंक और निफ्टी लगभग 1,000 अंक टूटा है। बाजार में आज के कारोबार में रियल्टी और आईटी के शेयर सबसे ज्यादा टूटे हैं। टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयरों में 4.5 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मीडिया, फार्मा, पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक के शेयरों में 2.5 फीसदी तक की गिरावट आई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया और टूटकर 95.63 (अस्थायी) प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया है।

श्रम सुधार पूरी तरह लागू, सरकार गरीबों की समर्थक एवं उद्योग अनुकूल: मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि केंद्र सरकार ने 4 नई श्रम संहिताओं को पूरी तरह लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार गरीबों की समर्थक और उद्योगों के अनुकूल है। मांडविया ने दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि श्रम एवं उद्योग को प्रभावी समन्वय के लिए एक-दूसरे के पूरक बनना चाहिए और बदलाव के साथ तालमेल बैठाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि सरकार ने देश में उद्योगों पर अनुपालन का बोझ कम करते हुए श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने की दिशा में काम किया है। मांडविया सीआईआई के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 को संबोधित कर रहे थे, जिसका विषय था-अगली पीढ़ी के श्रम सुधारः उद्योग के विकास और रोज़गार सृजन को बढ़ावा।

केंद्र सरकार ने 37,500 करोड़ की सतही कोयला गैसीकरण योजना को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने सतही कोयला (लिग्नाइट) गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37 हजार 500 करोड़ रुपये की लागत वाली योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत देश में सतही कोयला (लिग्नाइट) को गैस में बदलने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन सतही कोयले का गैसीकरण करके ऊर्जा उत्पन्न करने का है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसे बहुत बड़ा फैसला बताते हुए कहा कि भारत के पास लगभग 200 साल का कोयला भंडार है और अब इसका उपयोग गैस बनाने में किया जाएगा। इस योजना से लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की संभावना है। गैसीकरण से देश की ऊर्जा निर्भरता कम होगी और तरलीकृत प्राकृतिक गैस

(एलएनजी), यूरिया, अमोनिया और मीथेनॉल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम होगी।उल्लेखनीय है कि भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े कोयला भंडारों में से एक है, जिसमें लगभग 401 अरब टन कोयला और 47 अरब टन लिग्नाइट शामिल है। कोयला देश की ऊर्जा खपत का 55 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पूरा करता है। गैसीकरण से कोयला और लिग्नाइट को 'सिंथेसिस गैस' (सिंगैस) में बदला जाता है, जिसका उपयोग ईंधन और रसायन बनाने में किया जाता है। इससे भारत को एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया, कोकिंग कोल और मीथेनॉल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने बताया कि योजना के तहत नए सतही कोयला (लिग्नाइट) गैसीकरण संयंत्रों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। संयंत्र और मशीनरी की लागत का अधिकतम 20 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा। परियोजनाओं का चयन पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया से होगा। किसी एक परियोजना को अधिकतम 5 हजार करोड़ रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जा सकेगा। किसी एक उत्पाद के लिए अधिकतम 9 हजार करोड़ रुपये और किसी एक कंपनी समूह के लिए अधिकतम 12 हजार करोड़ रुपये तक की सीमा तय की गई है। मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने कोयला लिंकेज की अवधि को भी 30 साल तक बढ़ा दिया है ताकि निवेशकों को दीर्घकालिक नीति का भरोसा मिल सके। इस योजना से देशभर में लगभग 25 परियोजनाओं के ज़रिए 50 हजार से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। साथ ही, इससे हर साल लगभग 6 हजार 3 सौ करोड़ रुपये का राजस्व भी उत्पन्न होगा।

इंडस्ट्री से दोगुनी रफ्तार से बढ़ी श्रीराम जनरल इंश्योरेंस

एजेंसी

जयपुर। निजी क्षेत्र की अग्रणी बीमा कंपनी श्रीराम जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का ग्रॉस डायरेक्ट प्रीमियम (जीडीपी) जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में 21 फीसदी बढ़कर 1332 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 1099 करोड़ रुपये था। यह वृद्धि उद्योग की औसत 11 फीसदी ग्रोथ से काफी अधिक रही। कंपनी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी 24 फीसदी बढ़कर 4636 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 3753 करोड़ रुपये था। उद्योग की 9 फीसदी वृद्धि की तुलना में कंपनी की ग्रोथ करीब ढाई गुना रही। शुद्ध मुनाफे में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 28 फीसदी बढ़कर 167 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 130 करोड़ रुपये था। वहीं पूरे वित्त वर्ष का कुल शुद्ध लाभ 17 फीसदी बढ़कर 601 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी बोर्ड ने 53 फीसदी अंतिम लाभांश को मंजूरी दी है, जिससे कुल लाभांश भुगतान 162 फीसदी हो गया है। कंपनी का मोटर इंश्योरेंस पोर्टफोलियो ग्रोथ का मुख्य आधार बना रहा। चौथी तिमाही में मोटर सेगमेंट में 21.48 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पूरे वित्त वर्ष में यह वृद्धि 23.43 फीसदी रही। हेल्थ इंश्योरेंस सेगमेंट में भी उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली, जहां चौथी तिमाही में 524 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज हुई। मार्च 2026 तक कंपनी का सॉल्वेंसी रेश्यो 2.95 रहा, जो नियामकीय मानक 1.50 से काफी बेहतर है।

किसानों की आय, इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी मजबूतीः मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और ऊर्जा सुरक्षा को नई ताकत देने के लिए लगातार बड़े फैसले ले रही है। प्रधानमंत्री ने कैबिनेट द्वारा लिए गए चार प्रमुख निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये फैसले देश में विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 3,18,165 करोड़ रुपये के चार बड़े फैसलों को मंजूरी दी गई। इनमें खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि, नागपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उन्नयन, कोल गैसीफिकेशन परियोजनाओं को बढ़ावा और अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाईस्पीड डबल रेल लाइन परियोजना शामिल हैं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि देशभर के किसान भाई-बहनों के हितों की रक्षा और उनकी आय में वृद्धि के लिए हम निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने वर्ष 2026-27 के मार्केटिंग सीजन के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से देश के करोड़ों अन्नदाताओं को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य मिलेगा तथा उनके जीवन में खुशहाली आएगी। प्रधानमंत्री ने नागपुर एयरपोर्ट से जुड़े फैसले को शहर के बुनियादी ढांचे के लिए बड़ा प्रोत्साहन बताते हुए कहा कि इससे नागपुर एक प्रमुख एविएशन और कार्गो हब के रूप में तेजी से उभरेगा। उन्होंने कहा कि इससे संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और विकास के नए अवसर पैदा होंगे। मोदी ने अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाईस्पीड डबल लाइन परियोजना को भारत के रेल आधुनिकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी तकनीक पर आधारित यह देश की पहली सेमी हाईस्पीड रेल परियोजना होगी, जिससे गुजरात में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, यात्रा समय कम होगा और धोलेरा को भविष्य उन्मुख औद्योगिक केंद्र के रूप में मजबूती मिलेगी। इस परियोजना की लागत करीब 20,665 करोड़ रुपये आंकी गई है। प्रधानमंत्री ने सतही कोयला एवं लिग्नाइट गैसीफिकेशन परियोजनाओं को बढ़ावा देने संबंधी 37,500 करोड़ रुपये की योजना को ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने वाला कदम बताया।

महंगे कच्चे तेल का असर! थोक महंगाई दर अप्रैल में 8.3 प्रतिशत रही

एजेंसी

नई दिल्ली । थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर या थोक महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 8.30 प्रतिशत (प्रोविजनल) रही है। इससे पहले मार्च में यह 3.88 प्रतिशत थी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को दी गई। सरकार ने आधिकारिक बयान में कहा कि अप्रैल में महंगाई के सकारात्मक रहने की वजह खनिज तेल, कच्चे तेल और नेचुरल गैस, बेसिक मेटल, अन्य मैन्युफैक्चरिंग और गैर-खाद्य उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना है। आंकड़ों के मुताबिक, प्राइमरी आर्टिकल्स में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 9.17 प्रतिशत रही। फ्यूल एंड पावर में महंगाई दर सालाना आधार पर 24.71 प्रतिशत और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स में महंगाई दर 4.62 प्रतिशत रही। हालांकि, खाद्य उत्पादों में महंगाई में नरमी बनी हुई है और अप्रैल में यह सालाना आधार पर 2.31 प्रतिशत रही है। आंकड़ों के मुताबिक, क्रूड पेट्रोलियम की कीमत में थोक महंगाई दर में सालाना आधार पर 88.06 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एलपीजी में

थोक महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 10.92 प्रतिशत रही है। इससे पहले, सरकार ने खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए थे। भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 3.48 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.40 प्रतिशत थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल में ग्रामीण क्षेत्र में खुदरा महंगाई दर 3.74 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी क्षेत्र में यह 3.16 प्रतिशत थी। अप्रैल में खाद्य महंगाई दर 4.20 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.87 प्रतिशत थी। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर 4.26 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 4.10 प्रतिशत रही है। सरकार ने बताया कि तेलंगाना (5.81 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (4.20 प्रतिशत), तमिलनाडु (4.18 प्रतिशत), कर्नाटक (4.00 प्रतिशत) और राजस्थान (3.77 प्रतिशत) के खुदरा महंगाई में अप्रैल में शीर्ष पर थे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2026-27 के लिए देश की खुदरा महंगाई दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसका कारण रबी की अच्छी फसल से निकट भविष्य में खाद्य आपूर्ति की संभावनाएं बेहतर रहना है।

खरीफ फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी, धान पर 72, सूरजमुखी के बीज पर बढ़ाए गये 622 रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली ।केन्द्र सरकार ने खरीफ फसलों के वर्ष 2026-27 के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी की है। धान में 72 रुपये, ज्वार में 324 और मक्का पर 10 रुपये प्रति क्वींटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा सूरजमुखी के बीज पर 622 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सरकार ने किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता में बताया कि सरकार ने वर्ष 2026-27 के विपणन सत्र के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि सूरजमुखी के बीज (622 रुपये प्रति क्विंटल), उसके बाद कपास (557 रुपये प्रति क्विंटल), नाइजरसीड (515 रुपये प्रति क्विंटल) और तिल (500 रुपये प्रति क्विंटल) की गई है।

खरीफ विपणन सत्र 2026-27 के लिए धान (कॉमन) के एमएसपी में 72 रुपये की बढ़ोत्तरी कर इसे 2369 रुपये से 2441 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। वहीं धान ग्रेड-ए के एमएसपी में भी 72 रुपये की वृद्धि कर इसे 2389 रुपये से 2461 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। ज्वार (हाइब्रिड) के एमएसपी में 324 रुपये की बढ़ोत्तरी कर इसे 3699 रुपये से 4023 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है, जबकि ज्वार मालदांडी के एमएसपी में 324 रुपये की वृद्धि कर इसे 3749 रुपये से 4073 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। बाजरा के एमएसपी में 125 रुपये की बढ़ोत्तरी कर इसे 2775 रुपये से 2900 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। रागी के

एमएसपी में 319 रुपये की वृद्धि कर इसे 4886 रुपये से 5205 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। मक्का के एमएसपी में 10 रुपये की बढ़ोत्तरी कर इसे 2400 रुपये से 2410 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। अरहर/तूर के एमएसपी में 450 रुपये की वृद्धि कर इसे 8000 रुपये से 8450 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। मूंग के एमएसपी में 12 रुपये की बढ़ोत्तरी कर इसे 8768 रुपये से 8780 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है, जबकि उड़द के एमएसपी में 400 रुपये की वृद्धि कर इसे 7800 रुपये से 8200 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।मूंगफली के एमएसपी में 254 रुपये की बढ़ोत्तरी कर इसे 7263 रुपये से 7517 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। सूरजमुखी बीज के एमएसपी में 622 रुपये की वृद्धि कर इसे 7721 रुपये से 8343 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। सोयाबीन (पीला) के एमएसपी में 380 रुपये की बढ़ोत्तरी कर इसे 5328 रुपये से 5708 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। तिल के एमएसपी में 500 रुपये की वृद्धि कर इसे 9846 रुपये से 10346 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि नाइजरसीड के एमएसपी में 515 रुपये की बढ़ोत्तरी कर इसे 9537 रुपये से 10052 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।

सरकार ने सितंबर तक चीनी निर्यात पर रोक लगाई, कीमतों पर नियंत्रण रखने में मिलेगी मदद

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश भारत ने 30 सितंबर या अगले आदेश तक चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी है। इसकी वजह कम उत्पादन की संभावना के बीच घरेलू स्तर पर उपलब्धता बढ़ाकर चीनी की कीमतों को नियंत्रण में रखना है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने चीनी की निर्यात नीति में संशोधन करते हुए एक अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, कच्ची चीनी, सफेद चीनी और रिफाइंड चीनी के निर्यात की स्थिति 'प्रतिबंधित' से बदलकर 'वर्जित' कर दी गई है। सरकार ने कहा कि यह रोक 30 सितंबर, 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, लागू रहेगा।

हालांकि, सरकार ने कहा कि यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका को सीएक्सएल और टैरिफ दर कोटा (टीआरक्यू) व्यवस्था के तहत निर्यात संबंधित सार्वजनिक अधिसूचनाओं में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार जारी रहेगा।

सरकार ने आगे स्पष्ट किया कि अग्रिम प्राधिकरण योजना (एएएस) के तहत चीनी निर्यात विदेश व्यापार नीति (एफटीपी), 2023 और प्रक्रिया पुस्तिका, 2023 के प्रावधानों द्वारा नियंत्रित होता रहेगा।ब्राजील के बाद दुनिया के सबसे बड़े चीनी निर्यातक भारत ने पहले घरेलू मांग से अधिक उत्पादन की उम्मीद में मिलों को लगभग 1.59 मिलियन मीट्रिक टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी थी।

निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों से वैश्विक स्तर पर कच्ची और सफेद चीनी की कीमतों को समर्थन मिलने की उम्मीद है, साथ ही ब्राजील और थाईलैंड जैसे प्रतिद्वंद्वी उत्पादकों के लिए एशियाई और अफ्रीकी बाजारों में निर्यात के अवसर खुल सकते हैं। इसके अलावा, हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि गन्ने के उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे चीनी और इथेनॉल इकोसिस्टम को समर्थन मिला है, हालांकि यह वृद्धि असमान रही और मुख्य रूप से एकीकृत इथेनॉल क्षमता वाली मिलों तक ही सीमित रही।

नागपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण को मंजूरी, पीपीपी मॉडल पर होगा विकास

एजेंसी

नागपुर। नागपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विकास और आधुनिकीकरण को लेकर हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया। केंद्र सरकार ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की उस जमीन की लीज अवधि बढ़ाने को मंजूरी दे दी है, जो पहले मिहान इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) को दी गई थी। इस फैसले के बाद अब नागपुर एयरपोर्ट का संचालन और विकास 30 वर्षों के लिए जीएमआर ग्रुप की सहयोगी कंपनी जीएमआर नागपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएनआईएएल) को सौंपने का रास्ता साफ हो गया है।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुए फैसले की जानकारी साझा करते हुए जीएमआर के अधिकारी ने बताया कि सरकार के इस निर्णय के साथ नागपुर एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने और इसे मध्य भारत के प्रमुख विमानन एवं कार्गो केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। एयरपोर्ट का विकास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जाएगा। केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद जीएनआईएएल चरणबद्ध तरीके से एयरपोर्ट का विस्तार करेगा। योजना के अनुसार नागपुर एयरपोर्ट की यात्री क्षमता बढ़ाकर प्रति वर्ष 3 करोड़ तक पहुंचाई जाएगी। वर्तमान में मौजूदा टर्मिनल की क्षमता लगभग 20 लाख यात्री प्रतिवर्ष है। परियोजना के तहत अत्याधुनिक सुविधाओं वाला नया टर्मिनल बनाया जाएगा। पहले चरण में इसकी क्षमता 40 लाख यात्री सालाना होगी। इसके अलावा एक नया 4000 मीटर लंबा रनवे तैयार किया जाएगा, जबकि मौजूदा 3200 मीटर रनवे का विस्तार कर उसे 3600 मीटर तक बढ़ाया जाएगा।नागपुर एयरपोर्ट के विकास की प्रक्रिया वर्ष 2009 में शुरू हुई थी, जब एएआई और महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी (एमएडीसी) ने मिलकर मिहान इंडिया लिमिटेड का गठन किया था। इसमें एएआई की 49 प्रतिशत और एमएडीसी की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी तय की गई थी। हालांकि एयरपोर्ट की संपत्तियां उसी वर्ष एमआईएल को हस्तांतरित कर दी गई थीं, लेकिन जमीन सीमांकन विवादों के कारण लीज डीड में देरी हुई। बाद में एएआई की जमीन 6 अगस्त 2039 तक के लिए एमआईएल को लीज पर दी गई थी। वर्ष 2016 में एमआईएल ने पीपीपी मॉडल पर एयरपोर्ट संचालन के लिए वैश्विक निविदा जारी की थी, जिसमें जीएमआर एयरपोर्ट लि. सबसे बड़ी बोलीदाता बनी। बाद में निविदा रद्द होने पर जीएमआर ने बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उच्च न्यायालय और बाद में उच्चतम न्यायालय ने जीएमआर के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद 8 अक्टूबर 2024 को एमआईएल और जीएमआर के बीच रियायत समझौते पर हस्ताक्षर हुए। मिहान परियोजना के तहत नागपुर को देश के प्रमुख एयर कार्गो हब के रूप में विकसित करने की योजना है। विस्तार के बाद एयरपोर्ट की कार्गो हैंडलिंग क्षमता 9 लाख टन प्रतिवर्ष तक पहुंचने का अनुमान है। इससे कृषि उत्पाद, फार्मा और विनिर्माण क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। फिलहाल नागपुर से मुंबई, दिल्ली, पुणे समेत कुछ घरेलू शहरों और कतर-शारजाह के लिए सीधी उड़ानें संचालित होती हैं। एयरपोर्ट विस्तार के बाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने कृषि उत्पादों के दूसरे राज्यों में निर्यात से हटाया प्रतिबंध

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नई सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान लगाए गए कृषि उत्पादों के दूसरे राज्यों में निर्यात पर प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि आलू समेत सभी कृषि उत्पादों और पशु उत्पादों के वैध निर्यात पर अब किसी तरह की रोक नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस संबंध में औपचारिक मंजूरी 18 मई को होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में दी जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली तृणमूल सरकार की नीतियों के कारण किसानों और व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। गौरतलब है कि, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने यह तर्क देते हुए कई कृषि उत्पादों, विशेषकर आलू, के दूसरे राज्यों में निर्यात पर रोक लगाई थी कि इससे राज्य में आपूर्ति संकट पैदा हो सकता है। हालांकि, इस निर्णय का किसानों और व्यापारियों ने लगातार आलोचना की थी। उनका कहना था कि दूसरे राज्यों में बिक्री नहीं होने से उन्हें बेहतर दाम और अधिक मुनाफा नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि अब राज्य की सीमाओं पर वैध कृषि और पशु उत्पादों की ढुलाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं डाली जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों को परेशान करने वाली व्यवस्था समाप्त की जाएगी और वैध कारोबार करने वालों को संरक्षण दिया जाएगा। यह भी कहा कि नई सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर काम कर रही है और संस्थागत भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अवैध निर्माण और अवैध कारखानों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि कोलकाता में बड़ी संख्या में अवैध निर्माण और अवैध फैक्ट्रियां चल रही हैं। सरकार ने ऐसे निर्माणों का विद्युत ऑडिट कराने, उनकी पहचान करने और वहां की बिजली तथा पानी की आपूर्ति काटने के निर्देश दिए हैं।

मूडीज रेटिंग्स ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने 2026 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 0.8 फीसदी घटाकर छह फीसदी कर दिया है। यह कटौती निजी खपत और औद्योगिक गतिविधियों में सुस्ती के साथ-साथ ऊंची ऊर्जा लागत के कारण की गई है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने जारी अपनी 'ग्लोबल मैक्रो आउटलुक' के मई संस्करण में कहा है कि अगले छह महीनों में ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी तथा ईंधन एवं उर्वरक की कमी का असर विभिन्न देशों में अलग-अलग होगा जो उनकी निर्भरता तथा लचीलेपन पर निर्भर करेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य अत्यधिक अनिश्चित बना हुआ है, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की स्थिति नाजुक है। ऐसे में हम भारत के लिए वृद्धि दर में करीब 0.8 प्रतिशत अंक तक की गिरावट का अनुमान लगाते हैं। इसके अलावा मूडीज रेटिंग्स ने 2027 (कैलेंडर वर्ष) के लिए भी भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 0.5 फीसदी अंक घटाकर छह फीसदी कर दिया है। एजेंसी के अनुसार ऊर्जा आपूर्ति में सुधार और शिपिंग प्रवाह के सामान्य होने के साथ ये दबाव धीरे-धीरे कम होंगे ।

भारत की मेजबानी में शुरू हुआ किम्बर्ले प्रोसेस का अंतरसत्रीय सत्र, मुंबई में चार दिन चलेगी बैठक

एजेंसी

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भारत की अध्यक्षता में किम्बर्ले प्रोसेस (केपी) की अंतरसत्रीय बैठक शुरू हुई, जो 14 मई तक चलेगी। 4 दिवसीय इस बैठक में किम्बरली प्रोसेस के प्रतिभागियों, पर्यवेक्षकों और दुनिया भर के उद्योग हितधारकों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया है, ताकि प्राकृतिक हीरों के वैश्विक व्यापार से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा सके। भारत ने अपनी अध्यक्षता में मुंबई में किम्बरली प्रोसेस (केपी) इंटरसेशनल मीटिंग का उद्घाटन किया। केपी चेयर 2026 सुचिंद्र मिश्रा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किम्बर्ले प्रोसेस ने शांति को बढ़ावा देने, आजीविका की रक्षा करने और उत्पादक देशों के बीच वैध हीरा व्यापार को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने संबोधन में इस प्रणाली में विश्वास को और मजबूत करने, प्रतिभागियों के बीच सहयोग बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में किम्बर्ले प्रोसेस प्रासंगिक और प्रभावी बना रहे। उन्होंने यह भी बताया कि प्राकृतिक हीरे टिकाऊ

उत्पाद हैं और किम्बर्ले प्रोसेस विश्व स्तर पर सबसे प्रगतिशील प्रमाणन प्रणालियों में से एक बना हुआ है।वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक अंतरसत्रीय बैठक के दौरान आगामी दिनों में विभिन्न कार्य समूहों और समितियों की चर्चाएं और बैठकें होंगी। इस दौरान होने वाले विचार-विमर्श किम्बर्ले प्रोसेस प्रमाणन योजना के कार्यान्वयन, निगरानी और अनुपालन तंत्र, पारंपरिक और जलोढ़ हीरे के उत्पादन, सांख्यिकी और प्राकृतिक हीरा मूल्य श्रृंखला में विश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए उपायों पर केंद्रित होंगे। अंतरसत्रीय बैठक की कार्यवाही 14 मई तक जारी रहेगी। इस बैठक में भाग लेने वाले देशों, उद्योग निकायों और नागरिक समाज समूहों के वैश्विक प्रतिनिधि एक साथ आए, ताकि ज़िम्मेदार और टिकाऊ हीरा व्यापार के भविष्य पर चर्चा की जा सके।मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक में प्रतिभागियों और पर्यवेक्षकों को वैध तरीके से प्राप्त प्राकृतिक हीरों में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने के लिए उभरती चुनौतियों और सहयोगात्मक दृष्टिकोणों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलने की भी उम्मीद है। अंतर-सत्रीय बैठक में भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, किम्बर्ले प्रोसेस में भाग लेने वाले प्रतिनिधि, विश्व हीरा परिषद के सदस्य, नागरिक समाज गठबंधन के सदस्य और अन्य हितधारक भाग ले रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प 55/56 (2000) के तहत स्थापित किम्बर्ले प्रोसेस प्रमाणन योजना (केपीसीएस) एक अंतरराष्ट्रीय पहल है। इसका उद्देश्य संघर्ष वाले क्षेत्रों से अवैध तरीके से प्राप्त हीरों का वैध हीरा व्यापार में प्रवेश रोकना है। अभी किम्बर्ले प्रोसेस में 60 प्रतिभागी 86 देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनमें यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देश एकल समूह के रूप में शामिल हैं।

बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में मिले ट्रंप और शी जिनपिंगः रेड कार्पेट पर हुआ भव्य स्वागत, द्विपक्षीय वार्ता आज

एजेंसी

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दो दिन के अहम कूटनीतिक दौरे पर चीन की राजधानी बीजिंग पहुंचे, जहां आज उनके आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई है। बीजिंग के ऐतिहासिक 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राष्ट्रपति ट्रंप का बेहद गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। दोनों वैश्विक नेताओं ने रेड कार्पेट पर एक-दूसरे से हाथ मिलाया। इस ऐतिहासिक मुलाकात के दौरान तियानआनमेन स्क्वायर के पश्चिम में स्थित सरकारी भवन के बाहर चीन की सैन्य टुकड़ी तैनात दिखी, वहीं अमेरिका और चीन के झंडे लहराकर दोनों देशों के बीच एकता का प्रदर्शन किया गया। बीजिंग में राष्ट्रपति ट्रंप के आज के कार्यक्रमों की रूपरेखा बेहद व्यस्त है, जिसमें निम्नलिखित मुख्य आकर्षण शामिल हैः

स्वागत समारोह : 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' के बाहर और भीतर राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा ट्रंप का आधिकारिक स्वागत।

द्विपक्षीय वार्ता : दोनों नेताओं के बीच व्यापार, सुरक्षा और वैश्विक मुद्दों पर उच्च स्तरीय बैठक।

राजकीय भोज : शाम को अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में आयोजित होने वाला भव्य डिनर।

कराची में पाबंदियों के बावजूद 'औरत मार्च' में जुटी भीड़, अधिकारों को लेकर उठाई आवाज

कराची। पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से कराची में 'औरत मार्च' पर पाबंदियां लगाए जाने के बावजूद, सैकड़ों लोग सी-व्यू पर इकट्ठा हुए, ताकि उन मुद्दों पर आवाज उठाई जा सके जो आज भी देश की अनगिनत महिलाओं को प्रभावित करते हैं। वर्षों से 'औरत मार्च' पाकिस्तान में महिलाओं के अधिकारों और सामाजिक न्याय पर चर्चा का एक बड़ा और अहम मंच बन चुका है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के एक संपादकीय में कहा गया कि सबसे भावुक पलों में से एक था शांति को दी गई श्रद्धांजलि। शांति लियारी की 19 साल की दुल्हन थी, जिसकी कथित यौन हिंसा के बाद हुई दुखद मौत ने वैवाहिक हिंसा और उस पर छाई चुप्पी जैसे कठिन लेकिन जरूरी मुद्दों पर फिर से बहस छेड़ दी। ऐसे आयोजनों की अहमियत इस बात में है कि वे समाज को उन विषयों पर खुलकर बात करने की जगह देते हैं, जिन पर आमतौर पर लोग चर्चा करने से कतराते हैं। पाकिस्तान का संविधान अभिव्यक्ति की आजादी और शांतिपूर्ण तरीके से एक जगह इकट्ठा होने का अधिकार देता है। ये अधिकार सिर्फ किसी एक वर्ग के लिए नहीं हैं, बल्कि हर नागरिक के लिए हैं, चाहे उसकी राय लोकप्रिय हो या विवादित।द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों की जिम्मेदारी हर सार्वजनिक सभा के संदेश का समर्थन करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि लोग सुरक्षित और जिम्मेदारी से अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर सकें।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर हमले की बीएलएफ ने ली जिम्मेदारी, सात सैनिकों की मौत

क्वेटा। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने दावा किया कि उसने पूरे बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर कई हमले किए, जिनमें सात सैनिकों की मौत हुई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलूच ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि 10 मई को संगठन के लड़ाकों ने सुराब जिले के बैंचा इलाके में पाकिस्तानी सेना के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया। उन्होंने कहा कि यह काफिला सैन्य कैंपों के बीच जा रहा था, तभी उस पर रॉकेट, लाइट मशीन गन और दूसरे ऑटोमैटिक हथियारों से हमला किया गया। समूह का दावा है कि इस हमले में सेना की दो गाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा, जबकि पांच सैनिक मारे गए और चार घायल हुए। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि पास की एक चौकी से सुरक्षा बलों के जवान थोड़ी देर बाद मौके पर पहुंचे, लेकिन बीएलएफ लड़ाकों के साथ आगे हुई झड़प के बाद उन्हें पीछे हटना पड़ा। इसी दिन हुए एक दूसरे हमले में बीएलएफ ने दावा किया कि उसने खारान जिले के तगाजी इलाके में मुख्य पुल पर मौजूद पाकिस्तान की फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) की चौकी को निशाना बनाया।

माउंट एवरेस्ट पर्वतारोहण सीजन 2026 शुरू, चोटी तक पहुंचे 11 'डॉक्टर्स', रस्सियां लगाने का काम पूरा

काठमांडू । दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने का रास्ता 2026 के वसंत पर्वतारोहण सीजन के लिए आधिकारिक तौर पर खुल गया। बुधवार को 11 पर्वतारोही शिखर तक पहुंचे और रस्सियां लगाने का काम पूरा किया, जिसके साथ ही 2026 के वसंत पर्वतारोहण सीजन की शुरुआत हो गई। पर्यटन विभाग ने बताया कि रस्सियां लगाने वाली टीम बुधवार सुबह 10:25 बजे एवरेस्ट की चोटी पर पहुंच गई। इसके बाद अब बाकी पर्वतारोहियों के लिए चढ़ाई का रास्ता तैयार हो गया है। नेपाली सरकार ने सागरमाथा प्रदूषण नियंत्रण समिति (एसपीसीसी) को एवरेस्ट बेस कैंप से कैंप-II तक खुंबू आइसफॉल के रास्ते पर्वतारोहण मार्ग के प्रबंधन का काम सौंपा था। कैंप-II के ऊपर से चोटी तक रस्सियां लगाने का काम एक्सपीडिशन ऑपरेटर्स एसोसिएशन नेपाल (ईओए-नेपाल) को सौंपा गया था। उन्होंने माउंट एवरेस्ट की चोटी तक जाने वाले रास्ते पर रस्सी लगाने के लिए आइसफॉल डॉक्टरों और पर्वतारोहण गाइडों को तैनात किया।

शी की चेतावनी, 'अगर ताइवान मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला तो चीन और अमेरिका में टकराव संभव'

एजेंसी

बीजिंग । 'टेंपल ऑफ हेवन' परिसर में पत्रकारों के सवालों पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुप्पी साध ली। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग उनकी बगल में खड़े थे वो भी खामोश रहे। आखिर ऐसा क्यों हुआ इसका जवाब चीनी विदेश मंत्रालय के हवाले से सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की एक खबर में छुपा है। जो दावा करती है कि जिनपिंग ने ट्रंप से स्पष्ट कहा कि ताइवान मुद्दे पर शांति और स्थिरता बनाए रखना चीन-अमेरिका दोनों के हित में है। सिन्हुआ के मुताबिक, शी जिनपिंग ने बैठक के दौरान स्पष्ट कहा कि ताइवान का मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने ट्रंप से कहा कि अगर इस मुद्दे को सही तरीके से संभाला गया, तो दोनों देशों के रिश्तों में स्थिरता बनी रहेगी। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भी इस द्विपक्षीय वार्ता के कुछ बिंदु एक्स पर पोस्ट किए। इसमें

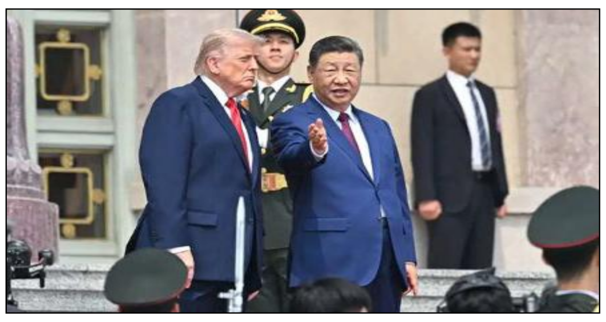

लिखा था कि चीनी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी, 'अगर ताइवान मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तो दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे पूरे द्विपक्षीय संबंध खतरे में पड़ जाएंगे।' उन्होंने जोर देकर कहा कि 'ताइवान की स्वतंत्रता' और 'क्रॉस स्ट्रेट पीस' एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं, ठीक वैसे ही जैसे आग और पानी साथ नहीं रह सकते।

दरअसल, ऐतिहासिक टेंपल ऑफ हेवन का दौरा करने के बाद ट्रंप ने यूनेस्को धरोहर स्थल और चीन की जमकर तारीफ की। इसी दौरान पत्रकारों ने जब ताइवान को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कुछ नहीं कहा। इसके अलावा ट्रंप और शी जिनपिंग ने बीजिंग में अपनी बातचीत के दौरान मध्य पूर्व, यूक्रेन युद्ध और उत्तर कोरिया से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व की स्थिति, यूक्रेन संकट और कोरियाई प्रायद्वीप जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' चीन, ईरान का करीबी सहयोगी माना जाता है और ईरानी तेल का दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार भी है, शायद यही वजह है कि बीजिंग तेहरान के साथ खड़ा दिख रहा है और अमेरिका से भी इस मुद्दे को लेकर गंभीर मंत्रणा कर रहा है।

ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बताया महान नेता, बोले-आपके साथ होना सम्मान की बात

एजेंसी

बीजिंग । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्विपक्षीय बैठक कर रहे हैं। बैठक शुरू होने से पहले दोनों नेताओं ने ओपनिंग रिमार्क दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग को एक महान नेता बताया। ट्रंप ने कहा कि जिनपिंग के साथ होना सम्मान की बात है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओपनिंग रिमार्क में कहा, 'हमने दुनिया के शीर्ष 30 लोगों से पूछा। उनमें से हर एक ने हां कहा और मुझे कंपनी (डेलिगेशन) में दूसरे या तीसरे नंबर के लोग नहीं चाहिए थे। मुझे सिर्फ शीर्ष वाले चाहिए थे और वे आज यहां आपको और चीन को सम्मान देने आए हैं। वे व्यापार और बिजनेस करने के लिए उत्सुक हैं और यह हमारी तरफ से पूरी तरह से आपसी होगा।' समिट की शुरुआत में उम्मीद जताते हुए ट्रंप ने शी से कहा, 'आपके साथ होना सम्मान की बात है। आपका दोस्त होना सम्मान की बात है और चीन व अमेरिका के बीच संबंध पहले से कहीं बेहतर होने वाले हैं। हमारा संबंध बहुत अच्छा रहा है, जब भी मुश्किलें आईं, हमने उसे सुलझा लिया। हमारा भविष्य साथ में बहुत अच्छा होगा।'

ट्रंप ने कहा, 'मैं यह बात सबसे कहता हूं। आप एक महान नेता हैं। कभी-कभी लोगों को मेरा यह कहना पसंद नहीं आता, लेकिन मैं फिर भी कहता हूं क्योंकि यह सच है।'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मैं सच में हमारी बातचीत का बहुत इंतजार कर रहा हूं। यह एक बड़ी बातचीत है। कुछ लोग कह रहे हैं कि यह शायद अब तक की सबसे बड़ी समिट है। उन्हें ऐसा कुछ याद नहीं है। मैं कह सकता हूं कि अमेरिका में लोग किसी और चीज के बारे में बात नहीं कर रहे हैं।'

चीन दौरे से पहले ट्रंप ने शी जिनपिंग की तारीफ की, बोले- अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन दौरे पर रवाना होने से पहले राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपने रिश्तों की तारीफ की और कहा कि उन्हें इस यात्रा के दौरान बेहतरीन मुलाकात की उम्मीद है। ईरान संकट, वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बढ़ते तनाव के बीच ट्रंप का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। व्हाइट हाउस से चीन रवाना होने से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतें हैं और दोनों देशों के बीच रिश्ते 'मजबूत और स्थिर' हैं। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरे संबंध शानदार हैं। हम हमेशा अच्छी तरह साथ रहे हैं और चीन के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा है।' ट्रंप ने संकेत दिया कि इस शिखर वार्ता में व्यापार सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा। उन्होंने कहा, 'हमारे चीन के साथ बड़े संबंध हैं। हम दोनों सुपरपावर हैं और कई अहम मुद्दों पर चर्चा होनी है। सबसे ज्यादा फोकस व्यापार पर रहेगा।'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी खुलासा किया कि शी जिनपिंग इस

साल के अंत तक अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा, 'राष्ट्रपति शी इस साल के आखिर में अमेरिका आएंगे। यह भी काफी रोमांचक होगा।' ईरान संकट पर भी ट्रंप ने चीन की संभावित भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर शी जिनपिंग इस मामले में मदद कर सकते हैं, तो उसका स्वागत होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर रहा है। ट्रंप ने कहा, 'ईरान सैन्य रूप से कमजोर हो चुका है। या तो वे सही रास्ता अपनाएंगे या हम बाकी काम पूरा करेंगे।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-चीन आर्थिक संबंधों को दोनों देशों के लिए फायदेमंद बताया। उन्होंने कहा, 'हम चीन के साथ बहुत बड़ा व्यापार करते हैं। हम भी फायदा उठा रहे हैं और चीन भी। हमारे रिश्ते अच्छे हैं।' अपनी यात्रा के मकसद पर ट्रंप ने कहा कि यह दौरा सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक संतुलन के हिसाब से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अमेरिका को दुनिया की सबसे मजबूत सैन्य ताकत बताते हुए कहा कि चीन को दूसरा सबसे शक्तिशाली देश माना जाता है।

ईरान परमाणु हथियार बनाने की सीमा से कुछ हफ्ते दूर, अमेरिकी सीनेटरों ने दी चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका की सीनेट आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की सुनवाई में अधिकारियों ने चेतावनी दी कि ईरान हथियार बनाने योग्य यूरेनियम संवर्धन से बस कुछ हफ्ते दूर है। ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने सांसदों को बताया कि ईरान 60 फीसदी तक यूरेनियम संवर्धन कर चुका है, जो तकनीकी रूप से हथियार योग्य स्तर के बहुत करीब माना जाता है, इसलिए स्थिति बेहद चिंताजनक है। (स्थानीय समय) को सुनवाई के दौरान सीनेट आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के अध्यक्ष रोजर विकर ने कहा कि दुनिया पहले से ज्यादा जटिल और खतरनाक हो गई है, क्योंकि चीन और रूस अपने परमाणु हथियारों का तेजी से विस्तार और आधुनिकीकरण कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की पुरानी मैनहैटन प्रोजेक्ट युग की परमाणु संरचना को आधुनिक बनाने में देरी हो रही है।

ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य दुश्मन को रोकने की शक्ति, तत्परता और उत्पादन को मजबूत करना है। उन्होंने दावा किया कि देश सात बड़े हथियार आधुनिकीकरण कार्यक्रम एक साथ चला रहा है और वे तय समय से आगे हैं। उन्होंने कहा, 'न्यूक्लियर वार रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि अमेरिका की ताकत पर कोई सवाल न हो।

डेमोक्रेट सांसद जैक रिड ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव और संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं और अमेरिकी परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ा है। जैक रीड ने कहा कि सार्वजनिक रिपोर्टों के अनुसार ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे अमेरिका के लोगों को कुल मिलाकर लगभग 37 अरब डॉलर का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ा है। इस खर्च को जब औसत परिवारों में बांटा जाता है, तो यह लगभग हर घर पर करीब 289 डॉलर का बोझ पड़ता है। सांसदों ने यह भी सवाल उठाया कि क्या अमेरिका फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करेगा, जिस पर अधिकारियों ने कहा कि हथियारों की विश्वसनीयता जांचने के लिए विस्फोटक परीक्षण की जरूरत नहीं है, क्योंकि आधुनिक तकनीकों से लगातार परीक्षण किए जा रहे हैं।ब्रैंडन विलियम्स ने बताया कि अमेरिका हर साल 1000 से अधिक गैर विस्फोटक परीक्षण करता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ऊर्जा सुरक्षा भविष्य में परमाणु सुरक्षा और रक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे ।

ट्रंप ने जिनपिंग के साथ किया 'टेंपल ऑफ हेवन' का दौरा

एजेंसी

बीजिंग । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल में शामिल 'टेंपल ऑफ हेवन' पहुंचे। उनके साथ चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी थे। अद्भुत वास्तुकला के मिसाल निर्माण को देख ट्रंप अवाक रह गए और बाहर निकलते ही बोले ये ग्रेट है। मीडिया ने वियतनाम को लेकर सवाल पूछा तो कुछ खास नहीं बोले। ट्रंप मंदिर परिसर में शी जिनपिंग के साथ-साथ चलते नजर आए और चीनी राष्ट्रपति उन्हें इस ऐतिहासिक स्थल के बारे में बताते रहे। हालांकि अमेरिकी मीडिया ट्रंप की प्रतिक्रिया जानने की कोशिश कर रहा था, लेकिन राष्ट्रपति इस बार असामान्य रूप से संयमित दिखे। मीडिया के समक्ष खड़े होकर दोनों ने तस्वीर खिंचाई। इस दौरान ट्रंप चीन की तारीफ करते रहे। उन्होंने कहा, 'बहुत शानदार। शानदार जगह। अविश्वसनीय। चीन बहुत खूबसूरत है।' जब पत्रकारों ने ताइवान पर चर्चा को लेकर सवाल पूछा तो दोनों खामोश रहे। ट्रंप ने ताइवान से जुड़े सवालों पर आगे कुछ नहीं कहा। जब अमेरिका के राष्ट्रपति से द्विपक्षीय बैठक से जुड़ा प्रश्न किया गया तो उन्होंने 'इंतजार' करने को कहा। ताइवान चीन और अमेरिका के बीच

तनाव का एक कारण रहा है। अमेरिका ताइवान को आत्मरक्षा के लिए हथियार देता है तो चीन से उसके अच्छे व्यावसायिक रिश्ते हैं। वियतनाम ने दोनों सुपर पावर्स चीन और अमेरिका को 'कॉम्प्रिहेन्सिव स्ट्रैटेजिक पार्टनर' (व्यापक रणनीतिक साझेदार) का दर्जा दे रखा है। वह अपनी विदेश नीति में 'बैंबू डिप्लोमेसी' अपनाता है। इसका मतलब है कि वियतनाम परिस्थितियों के अनुसार लचीला रुख रखता है, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों और सिद्धांतों पर मजबूती से कायम रहता है। इस नीति के जरिए वियतनाम चीन और अमेरिका जैसे बड़े देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखता है, बिना किसी एक पक्ष का खुलकर समर्थन किए। चीनी राजनयिक आमतौर पर विदेशी नेताओं के स्वागत के लिए ऐतिहासिक स्थलों को सिर्फ दिखावे के लिए नहीं चुनते। अक्सर इन जगहों के जरिए चीन कोई प्रतीकात्मक संदेश देना चाहता है या यह दिखाना चाहता है कि वह द्विपक्षीय संबंधों से क्या उम्मीद रखता है। यह मंदिर फॉरबिडन सिटी के ही दौर का है, जहां ट्रंप ने 2017 में अपनी पिछली राजकीय यात्रा के दौरान दौरा किया था। टेंपल ऑफ हेवन चीन का ऐसा ऐतिहासिक परिसर है, जहां मिंग और किंग राजवंशों के सम्राट अच्छी फसल के लिए प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठान करते थे। ये 600 साल पुराना यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

यूनेस्को के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण 1420 में मिंग राजवंश के अंतिम दौर में किया गया था। जिसका इस्तेमाल शाही धार्मिक अनुष्ठानों और अच्छी फसल की प्रार्थना के लिए किया जाता था।

फ्रांस के शहर बोर्डो में खड़े क्रूज शिप 'एंबिशन' पर नोरोवायरस संक्रमण की पुष्टि, यात्रियों को उतरने की अनुमति

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र बोर्डो में खड़े क्रूज शिप एंबिशन पर यात्री नोरोवायरस (वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस) की चपेट में आ गए हैं। इस बात की पुष्टि गिरोंद प्रीफेक्चर ने स्थानीय समयानुसार जारी बयान में की। इसके मुताबिक फिलहाल वायरस के किसी भी गंभीर मामले की सूचना नहीं है। जिन लोगों में संक्रमण के लक्षण नहीं हैं, उन्हें जहाज से उतरने की अनुमति दी गई है। ब्रिटिश कंपनी एंबेसडर क्रूज लाइन द्वारा संचालित 'एंबिशन' मंगलवार शाम बोर्डो पहुंचा था। जहाज पर लगभग 90 वर्षीय एक यात्री की मौत के बाद करीब 1,700 यात्रियों और क्रू सदस्यों को जहाज से उतरने से रोक दिया गया था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 90 वर्षीय एक यात्री की मौत का संबंध गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसे संक्रमण से हो सकता है। जहाज पर करीब 80 लोग पेट संबंधी बीमारीकी चपेट में हैं। बाद में बोर्डो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए महामारी विज्ञान और जैविक परीक्षणों में इस संक्रमण के फैलने की पुष्टि हुई। बयान में कहा गया है कि संक्रमित लोगों को जहाज पर अलग-थलग रखा जाएगा। क्वारंटीन और स्वच्छता संबंधी उपाय जारी रहेंगे। आगे यात्रा जारी रखनी है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद क्रूज ऑपरेटर करेगा। अत्यधिक संक्रामक नोरोवायरस तीव्र गैस्ट्रोएंटेराइटिस का एक सामान्य कारण है और क्रूज शिप जैसे बंद स्थानों में तेजी से फैलने के लिए जाना जाता है। इस बीच हंतावायरस को लेकर भी चिंता बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने मंगलवार को कहा था कि संक्रमणग्रस्त क्रूज शिप एमवी होंडियस से यात्रियों को निकाले जाने के बाद आने वाले हफ्तों में हंतावायरस के और मामले सामने आ सकते हैं।

राष्ट्रपति शी ने चीन-अमेरिका संबंधों के लिए साल 2026 को ऐतिहासिक, मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद जताई

एजेंसी

बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 2026 एक ऐतिहासिक, लैंडमार्क साल होगा, जो चीन-अमेरिका संबंधों में एक नया अध्याय शुरू करेगा। बीजिंग में दौरे पर आए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करते हुए शी जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका के बीच मतभेदों से ज्यादा कॉमन इंटरेस्ट हैं। उन्होंने कहा कि एक में सफलता दूसरे के लिए एक मौका है और एक स्थिर द्विपक्षीय संबंध दुनिया के लिए अच्छा है। राष्ट्रपति शी ने कहा कि चीन और अमेरिका को दुश्मन के बजाय साझेदार होना चाहिए। दोनों देशों को एक-दूसरे को सफल होने और साथ मिलकर तरक्की करने में मदद करनी चाहिए, और नए दौर में बड़े देशों को एक-दूसरे के साथ अच्छे से रहने का सही तरीका ढूंढना चाहिए। शी ने कहा, 'मैं हमारे दोनों देशों और दुनिया के लिए जरूरी

बड़े मुद्दों पर हमारी बातचीत का इंतजार कर रहा हूं और आपके साथ मिलकर चीन-अमेरिका संबंधों की बड़ी नाव को रास्ता तय करने और चलाने के लिए काम करने का इंतजार कर रहा हूं, ताकि 2026 एक ऐतिहासिक, लैंडमार्क साल बन सके जो चीन-अमेरिका संबंधों में एक नया अध्याय खोले।' उन्होंनेकहा कि चीन और अमेरिका को मिलकर हमारे समय के सवालों का जवाब देना चाहिए। शी ने कहा कि एक सदी में न देखा गया बदलाव पूरी दुनिया में तेजी से हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय हालात बदलते और उथल-पुथल वाले हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया एक और मोड़ पर आ गई है। शी ने कहा, 'क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से निकलकर बड़े देशों के संबंधों का एक नया पैटर्न बना सकते हैं? क्या हम मिलकर ग्लोबल चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और दुनिया को ज्यादा स्थिरता दे सकते हैं? क्या हम दोनों देशों के लोगों की भलाई और इंसानियत के भविष्य के लिए अपने आपसी संबंधों के लिए मिलकर एक अच्छा भविष्य बना सकते हैं? ये सवाल इतिहास, दुनिया और लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं।' बता दें, थ्यूसीडाइड्स ट्रैप एक अंतरराष्ट्रीय संबंध सिद्धांत है, जो बताता है कि जब कोई उभरती हुई शक्ति किसी स्थापित शक्ति के प्रभुत्व को चुनौती देती है।

संयुक्त अरब अमीरात ने इजरायली पीएम नेतन्याहू के यूएई दौरे की खबरों का किया खंडन

एजेंसी

अबू धाबी । संयुक्त अरब अमीरात ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है, जिनमें कहा गया था कि बेंजामिन नेतन्याहू ने देश की गुप्त यात्रा की थी और वहां मुलाकातें की थीं। यूएई के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ऐसी कोई भी यात्रा या सैन्य प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी की खबरें गलत और आधारहीन हैं, जब तक कि इसकी आधिकारिक घोषणा न की जाए। यूएई के विदेश मंत्रालय ने बुधवार (लोकल टाइम) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि इजरायल के साथ उसके संबंध अब्राहम समझौते के फ्रेमवर्क के अंदर हैं, न कि किसी सीक्रेट अरेंजमेंट पर आधारित हैं। न्यूज एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय ने आगे कहा कि बिना बताए दौरे या बिना आधिकारिक अरेंजमेंट के बारे में कोई भी दावा तब तक बेबुनियाद है, जब तक यूएई के संबंधित ऑफिशियल अधिकारी इसकी घोषणा न करें। मंत्रालय ने मीडिया आउटलेट्स से भी जानकारी सत्यापित करने और बिना कन्फर्म रिपोर्ट सर्कुलेट करने या उनका इस्तेमाल राजनीतिक अटकलों को हवा देने के लिए करने से बचने को कहा। इससे पहले, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने कहा था कि उन्होंने ईरान के साथ युद्ध के बीच यूएई का सीक्रेट दौरा किया और राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। नेतन्याहू के ऑफिस ने एक बयान में कहा कि इस दौरे से इजरायल और यूएई के बीच संबंधों में ऐतिहासिक बदलाव आया है। हालांकि इसके अलावा उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। यह पीएम नेतन्याहू का पहला यूएई दौरा है और दूसरी बार किसी इजरायली प्रधानमंत्री ने खाड़ी देश का दौरा किया है। यह घोषणा इजरायल के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के यूएई के हालिया दौरे की मीडिया रिपोर्ट्स के बीच हुई है। यह दोनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधों को गहरा करने का संकेत है। अमेरिका की अगुवाई में दोनों देशों के बीच संबंध पहली बार 2020 में सामान्य हुए थे।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अरब अधिकारियों के हवाले से बताया कि मोसाद इंटेलिजेंस एजेंसी के चीफ डेविड बार्निया ने ईरान के साथ युद्ध को लेकर सहयोग करने के लिए मार्च और अप्रैल में कम से कम दो बार यूएई का दौरा किया।

कुवैत में घुसपैठ के आरोप को ईरान ने बताया 'बेबुनियाद और अस्वीकार्य'

एजेंसी

तेहरान । ईरान ने कुवैत के उस आरोप को सिरे से खारिज किया है जिसमें उसने कहा था कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के कुछ सदस्यों ने कुवैती इलाके में घुसपैठ की थी। विदेश मंत्रालय ने उसे 'पूरी तरह बेबुनियाद और अस्वीकार्य' बताया। ईरान ने कुवैत के आरोप को 'अनुचित राजनीति और प्रचार के लिए इस्तेमाल' किया गया कृत्य बताया। यह मामला उन चार ईरानी एजेंटों से जुड़ा है, जो कथित तौर पर नियमित समुद्री गश्ती मिशन पर थे।

बयान के अनुसार, नेविगेशन सिस्टम में खराबी आने के कारण ईरानी नागरिक गलती से कुवैत के क्षेत्रीय जलक्षेत्र में प्रवेश कर गए थे।

विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि ईरान क्षेत्र के सभी देशों, विशेष रूप से कुवैत, की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की अपने सिद्धांत पर कायम है। मंत्रालय ने उम्मीद जताई कि 'कुवैती अधिकारी जल्दबाजी में बयान देने और निराधार आरोप लगाने से बचेंगे' और इस मामले को आधिकारिक कूटनीतिक माध्यमों से आगे बढ़ाएंगे।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कुवैत में मौजूद ईरानी दूतावास को हिरासत में लिए गए ईरानी नागरिकों से मिलने की इजाजत दी जानी चाहिए।

कीर स्टार्मर के खिलाफ बढ़ी बगावत, नेतृत्व चुनौती पर पीएम बोले- 'लेबर पार्टी में फैल जाएगी अराजकता'

एजेंसी

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने स्थानीय चुनावों में खराब नतीजों के बाद सत्ता पर मंडराते खतरे के बीच बगावत करने वाले नेताओं को कड़ी चेतावनी दी है। कीर स्टार्मर ने कहा है कि उनके खिलाफ नेतृत्व की चुनौती लेबर पार्टी को 'अराजकता' में धकेल देगी। दरअसल, लेबर पार्टी के खराब स्थानीय चुनाव परिणामों के बाद प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को बदलने की संभावित कोशिशों को लेकर अटकलें तेज हैं। लेबर पार्टी के भीतर बढ़ती अशांति के बीच बोलते हुए स्टार्मर ने मंत्रियों से आग्रह किया कि वे पार्टी को और अस्थिर न करें। यह चेतावनी तब आई, जब ब्रिटिश मीडिया ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग इस्तीफा देकर गुरुवार सुबह ही नेतृत्व चुनौती पेश करने पर विचार कर रहे हैं। वहीं, समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एक रिपोर्ट में बताया कि उन्हें उम्मीदवार सहित लेबर पार्टी के 81 सांसदों के समर्थन की

जरूरत होगी।

संसद के औपचारिक उद्घाटन से पहले बुधवार सुबह वेस स्ट्रीटिंग को 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश करते देखा गया, हालांकि वह 20 मिनट से भी कम समय बाद वहां से निकल गए। पिछले सप्ताह हुए स्थानीय चुनावों में लेबर पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद स्टार्मर पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को कई मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया, जबकि कुछ कैबिनेट मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री के समर्थन की पुष्टि की।

इस बीच, लेबर से जुड़े 11 यूनियनों ने संयुक्त बयान जारी कर पार्टी से नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी करने को कहा। बयान में कहा गया, 'यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री अगले चुनाव में लेबर पार्टी का नेतृत्व नहीं करेंगे। किसी समय नए नेता के चुनाव की योजना बनानी होगी।'

उधर, स्कॉटिश नेशनल पार्टी ने भी स्टार्मर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की धमकी दी है। पार्टी का कहना है कि नेतृत्व का यह तमाशा अब ज्यादा देर तक नहीं चल सकता।

इससे पहले, ब्रिटेन के राजा चार्ल्स-तृतीय ने 'किंग्स स्पीच' दी, जिसमें उन्होंने नए संसदीय सत्र के लिए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के विधायी एजेंडे की रूपरेखा पेश की।

हालांकि, लेबर पार्टी के अंदर बढ़ते संकट और स्टार्मर के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों ने सरकार की नीतिगत योजनाओं को पीछे छोड़ दिया।

page 1 and 8 may 15_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/15/2026 12:57 AM Page 2

स्थानीय समाचार

वेद मार्ग पर चलकर मन को करें वश में, तभी मिलेगा सुख-शांति :स्वामी राम स्वरूप जी

कठुआ, 14 मई। वेद मन्दिर योल में चल रहे 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के 33वें दिन स्वामी राम स्वरूप योगाचार्य ने श्रद्धालुओं को वेद ज्ञान का गूढ़ संदेश देते हुए मन को नियंत्रित करने और वेद मार्ग पर चलने का महत्व बताया।

उन्होंने ऋग्वेद मंत्र 10/20/1 卐भद्रम् नो अपि वातय मनः卐 का अर्थ समझाते हुए कहा कि मन को कल्याण के मार्ग पर चलाना ही सच्ची उपासना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल प्रार्थना करने से ईश्वर प्रसन्न नहीं होते बल्कि प्रार्थना के अनुरूप शुभ कर्म करना भी आवश्यक है। स्वामी जी ने अथर्ववेद के मंत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि मन के द्वारा वेद मंत्रों का चिंतन, शुद्ध बुद्धि और ज्ञान की प्राप्ति तथा अग्निहोत्र यज्ञ के माध्यम से परमात्मा की उपासना करने से मन पवित्र होता है और बुरे विचारों से दूर रहता है। उन्होंने क्रोध, कटु वचन और पाप विचारों का त्याग कर सदैव शुभ कर्म करने का संदेश दिया।

उन्होंने आगे बताया कि यजुर्वेद अध्याय 34 के मंत्रों का नियमित अध्ययन और आहुति देने से मन पाप प्रवृत्तियों से हटकर धर्म के मार्ग पर अग्रसर होता है। स्वामी जी ने कहा कि नित्य यज्ञ, योगाभ्यास और विद्वानों से वेद ज्ञान प्राप्त करना ही जीवन में सुख-शांति, धन-सम्पदा और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है। अंत में उन्होंने लोकवाणी के प्रसिद्ध कथन मन जीते जग जीत का उल्लेख करते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपने मन और इन्द्रियों को वश में कर लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन में सफलता और शांति प्राप्त करता है।

आर.एस. पुरा पुलिस ने 4 साल से फरार आरोपी को पकड़ा

जम्मू,, 14 मई (हि.स.)। जम्मू पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

आर.एस. पुरा पुलिस टीम ने चार वर्षों से फरार चल रहे आरोपी बाग अली पुत्र रेमो, निवासी सुंदरपुर, तहसील आर.एस. पुरा, जिला जम्मू को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी थाना चंद्रकोट में दर्ज एक मामले में वांछित था।

जानकारी के अनुसार आरोपी के खिलाफ एफआईआर नंबर 79/2022 धारा 307/427/34 आईपीसी तथा 8/21/22/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज था। लगातार गिरफ्तारी से बचने के कारण उसके खिलाफ सेशन कोर्ट रामबन द्वारा धारा 512 सीआरपीसी के तहत वारंट जारी किया गया था।

पुलिस ने गुप्त सूचना और लगातार निगरानी के आधार पर एक विशेष अभियान चलाकर आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद संबंधित थाना चंद्रकोट को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया गया है।

पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई कानून व्यवस्था बनाए रखने और फरार अपराधियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता है।

गांधीनगर स्कूल का बदला गया नाम

जम्मू,, 14 मई (हि.स.)। जम्मू के गांधीनगर स्थित सरकारी बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल का नाम बदलकर शहीद प्रिंसिपल कुलदीप कुमार बड़याल की स्मृति में श्री कुलदीप कुमार बड़याल मेमोरियल गवर्नमेंट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल रखा गया है। इस संबंध में आयोजित समारोह में मंत्री सकीना इत्तु ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

मंत्री ने कहा कि स्कूल का नाम दिवंगत प्रिंसिपल कुलदीप कुमार बड़याल के सम्मान में रखा गया है जिन्होंने शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि यह कदम उनकी सेवाओं और स्मृति को हमेशा जीवित रखने का प्रयास है।

गौरतलब है कि प्रिंसिपल कुलदीप कुमार बड़याल की हत्या इसी स्कूल के एक छात्र द्वारा किए जाने की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। समारोह में शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपनी पार्टी ने किसान विंग अध्यक्ष की घोषणा की

जम्मू,, 14 मई (हि.स.)। जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी ने किसान विंग के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए बद्री नाथ शर्मा की नियुक्ति की घोषणा की है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

पार्टी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस दौरान नेताओं ने उम्मीद जताई कि बद्री नाथ शर्मा किसानों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करेंगे। कार्यक्रम में मंजीत सिंह सहित अन्य नेताओं ने भी शर्मा का स्वागत किया और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

एलजी सक्सेना ने न्योमा में लोगों के साथ चांगथांग जिले के गठन का उत्सव मनाया

एल-जी ने कहा - नया जिला प्रशासन को लोगों के और करीब लाएगा

कहा - यूटी प्रशासन चांगथांग जिले के समग्र विकास को सुनिश्चित करेगा

न्योमा, 14 मई। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को चांगथांग की अपनी पहली यात्रा के दौरान न्योमा पहुँचकर चांगथांग को नए जिले के रूप में बनाए जाने का उत्सव मनाया। क्षेत्र के हजारों लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के बीच उपराज्यपाल का न्योमा पहुंचने पर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, सांस्कृतिक दलों और नागरिक समाज के सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। अपनी यात्रा के दौरान उन्हें लिक्त्से और हेम्या गांवों में भी ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत मिला।

चांगथांग जिले का गठन 27 अप्रैल 2026 को लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में पांच नए जिलों के गठन को लेकर उपराज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी के बाद किया गया है।

तिब्बती शरणार्थियों और स्थानीय ग्रामीणों से बने सांस्कृतिक दलों तथा विद्यार्थियों ने उपराज्यपाल के स्वागत और इस ऐतिहासिक अवसर का उत्सव मनाने के लिए पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने लोगों द्वारा दिए गए स्नेह और गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर सम्मानित करने के लिए पूज्यनीय द्रुकपा थुकसे रिनपोछे का भी आभार व्यक्त किया। उपराज्यपाल श्री सक्सेना ने कहा कि चांगथांग को अलग जिला बनाए जाने की लंबे समय से लंबित मांग आखिरकार पूरी हो गई है और इसे उन्होंने एक ऐतिहासिक कदम बताया, जो चांगथांग के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि लद्दाख के सबसे दूरस्थ क्षेत्रों में से एक में शासन को मजबूत करने और जनसेवाओं की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उपराज्यपाल ने कहा कि चांगथांग के लोगों को लंबे समय से प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंचने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, क्योंकि यहां लंबी दूरी, कठोर जलवायु परिस्थितियां और सीमित संपर्क सुविधाएं थीं। उन्होंने बताया कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासनिक अधिकारियों या उपायुक्त से मिलने हेतु लगभग 300 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती थी। अलग जिला बनने के बाद अब प्रशासन लोगों के और करीब आएगा, जिससे शिकायतों के निवारण और सरकारी सेवाओं की घर-घर तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित होगी।श्री सक्सेना ने चांगथांग के आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व, विशेष रूप से विश्वप्रसिद्ध पश्मीना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चांगथांग पश्मीना में वैश्विक ब्रांड बनने की अपार क्षमता है। उन्होंने जानकारी दी कि यूटी प्रशासन पश्मीना उत्पादकों और घुमंतू समुदायों को बेहतर लाभ दिलाने के लिए प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, विपणन और मूल्य संवर्धन के लिए कई कदम उठा रहा है। चांगथांग के विकास के प्रति यूटी प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए श्री सक्सेना ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, सिंचाई, जल संरक्षण, पर्यटन और रोजगार सृजन को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से क्षेत्र के विकास की यात्रा में सक्रिय भागीदारी की भी अपील की। सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए चल रही विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए उपराज्यपाल ने 卐वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम卐 का जिक्र किया और कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, रोजगार के अवसर पैदा करना, पर्यटन को बढ़ावा देना और गांवों में सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है।

एसएसपी ने नए पदोन्नत कर्मियों को उनके संबंधित प्रतीक चिन्ह से किया अलंकृत

जम्मू, 14 मई (हि.स.)। जम्मू पुलिस ने हाल ही में पदोन्नत किए गए विभिन्न रैंकों के अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए आज एक समारोह का आयोजन किया।

समारोह का संचालन जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने किया जिन्होंने नए पदोन्नत कर्मियों को उनके संबंधित प्रतीक चिन्ह से अलंकृत किया।

यह अवसर पदोन्नत अधिकारियों और उनके परिवारों के लिए गर्व का क्षण था। एसएसपी जम्मू ने सभी अधिकारियों को उनकी योग्य पदोन्नति के लिए बधाई दी और उनके समर्पण, व्यावसायिकता और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की।

उन्होंने उन्हें उसी उत्साह और निष्ठा के साथ काम करना जारी रखने और आने वाले वर्षों में अनुशासन और सेवा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

समारोह का समापन सभी नए पदोन्नत कर्मियों को जनता की नसेवा में एक सफल और प्रतिष्ठित कैरियर के लिए शुभकामनाओं के साथ किया गया।

जिला पुलिस लाइन, जम्मू में नए आपराधिक कानूनों पर पाठ्यक्रम आयोजित

जम्मू, 14 मई,(हि.स.)। नए आपराधिक कानूनों पर दो दिवसीय पाठ्यक्रम जिला पुलिस लाइन (डीपीएल) जम्मू में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न इकाइयों के 80 पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। यह पाठ्यक्रम हाल ही में लागू आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था ताकि जमीनी स्तर पर उनके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके।

लकड़ी तस्करों का आंतक-वन विभाग की टीम पर ट्रक चढ़ाया, तीन घायल

कठुआ, 14 मई (हि.स.)। जिले में अवैध लकड़ी तस्करों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर जा रहे हैं। बीती रात तस्करों ने वन विभाग की टीम पर हमला करते हुए उनकी गाड़ी को ट्रक से टक्कर मार दी जिसमें सवार चार कर्मियों में तीन कर्मी घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार वन विभाग कठुआ की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध लकड़ी से लदे तीन वाहन जम्मू-कश्मीर से पंजाब की ओर जा रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर नेशनल हाईवे पर जगह-जगह नाके लगाए गए। इस दौरान चढ़वाल क्षेत्र में संदिग्ध वाहन दिखाई दिया जिसका वन कर्मियों ने पीछा किया। जैसे ही टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया चालक ने ट्रक की रफ्तार बढ़ा दी और वन विभाग की गाड़ी को जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। हादसे में तीन कर्मचारी घायल हुए जिनमें नरेश कुमार को गंभीर चोटें आई हैं और उनका उपचार जीएमसी कठुआ में जारी है जबकि दो अन्य को हल्की चोटें आई हैं। टक्कर के कारण कार की कंडक्टर साइड की आगे की खिड़की पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

डीएफओ कठुआ अंकित सिन्हा ने बताया कि वन विभाग द्वारा अवैध लकड़ी तस्करी पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है और पिछले चार दिनों में 10 ट्रकों को जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि तस्करों की यह हरकत उनकी बौखलाहट को दर्शाती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और रात के समय नियमित रूप से नाके लगाकर कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही पुलिस की मदद लेकर संयुक्त अभियान और तेज किया जाएगा। इस मामले में राजबाग थाना में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम फरार ट्रक चालक और वाहन की तलाश में जुटी हुई है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि ये तस्कर नशा तस्करी में भी शामिल हो सकते हैं और नशे की हालत में इस तरह की वारदात को अंजाम देते हैं।

चिराग पासवान ने लेह में पीएमएफएमई महोत्सव का उद्घाटन किया

लेह, 14 मई (हि.स)। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने लेह में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिककरण योजना (पीएमएफएमई) के तहत गुरुवार को एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

पासवान ने उद्घाटन के बाद प्रदर्शनी में लगे स्टालों का दौरा किया और लाभार्थियों से बातचीत की। उन्होंने उनकी सफलता की कहानियों को ध्यानपूर्वक सुना और सभी को अपने प्रयासों में और अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में लद्दाख में अपार संभावनाएं हैं और इसे मुख्यधारा में लाने के लिए ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि कुछ समय पहले तक कृषि क्षेत्र का ध्यान उत्पादन पर केंद्रित था और दुर्भाग्यवश मूल्य सृजन पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद से उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए मूल्य सृजन पर अपना पूरा ध्यान दिया है और इसके परिणाम सबके सामने हैं।

लद्दाख के अनूठे उत्पादों जैसे सी बकथॉर्न और खुबानी का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि इन दोनों उत्पादों में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने की क्षमता है और इस सपने को साकार करने के लिए हमें भरपूर प्रयास करने और संसाधनों का निवेश करने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने वर्ल्ड फूड इंडिया पहल का भी उल्लेख किया।

चिराग ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े सभी क्षेत्रों को ऐसे मंच से जुड़ने का प्रयास करना चाहिए और इस अनुभव से लाभ उठाना चाहिए। आधुनिकीकरण प्रक्रिया के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयासों से देशभर में विकिरण इकाइयां स्थापित की जा रही हैं और वर्तमान में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए भविष्य में ऐसे और प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने क्रेता-विक्रेता बैठकों के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी बैठकों का आयोजन अधिक बार किया जाना चाहिए।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य पीएमएफएमई योजना के लाभार्थियों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करना, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देना, योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाना और क्षेत्र में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए बाजार पहुंच को मजबूत करना था। ये प्रदर्शनी लेह के उपायुक्त कार्यालय परिसर में आयोजित की गई थी।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जीडीसी महानपुर में मानव श्रृंखला, युवाओं ने लिया नशा छोड़ने का संकल्प

कठुआ, 14 मई (हि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर में मानव श्रृंखला गठन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता सुदान की देखरेख में तथा आयोजन प्रो. बिंटी शर्मा (विभागाध्यक्ष, भौतिकी) द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया और समाज में इसके बढ़ते खतरे पर प्रकाश डाला गया। करीब 40 विद्यार्थियों सहित शिक्षकों व गैर-शिक्षण स्टाफ ने भाग लेकर मानव श्रृंखला बनाई और नशे के खिलाफ मजबूत संदेश दिया। कार्यक्रम में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। अंत में सभी ने मिलकर नशा मुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण का प्रण लिया।

कुलगाम में अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़, महिला तस्कर सहयोगी के साथ गिरफ्तार

कुलगाम, 14 मई (हि.स.)। कुलगाम में जम्मू और कश्मीर पुलिस ने एक अंतरराज्यीय नशीले पदार्थों के नेटवर्क का भंडाफोड़ करके एक महिला ड्रग तस्कर को उसके सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार यह ऑपरेशन तब शुरू किया गया, जब कुंड मोड के पास चुर्राट में तैनात पुलिस स्टेशन काजीगुंड की नाका पार्टी ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। उसकी पहचान अहदोस खान के बेटे शकूर खान के रूप में हुई, जो मदेनपोरा दिल्ली का निवासी है और वर्तमान में खानबल बटपोरा में रह रहा है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से लगभग 6.9 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया, जिसके बाद एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत एफआईआर संख्या 116/2026 दर्ज की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने महिला ड्रग तस्कर मोहम्मद सुलेमान की पत्नी रेखा से संपर्क किया, जो मूल रूप से बवाना दिल्ली की निवासी थी और वर्तमान में संगम में रहती है। विश्वसनीय इनपुट पर कार्रवाई करते हुए और कानूनी सर्च वारंट प्राप्त करने के बाद अतिरिक्त की देखरेख में एसएचओ पुलिस स्टेशन काजीगुंड मानव धनेटिया आईपीएस प्रोबेशनरी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम एसपी राजमार्ग काजीगुंड मुमताज अली भट्टी जेकेपीएस ने उसके किराए के आवास पर छापा मारा। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने एक बिस्तर के नीचे विशेष रूप से छुपाए गए भूमिगत ठिकाने से लगभग 8.4 ग्राम हेरोइन, सीरिंज, एल्यूमीनियम फ़ॉइल पेपर और चोरी की संपत्ति बरामद की। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपितों ने पूरे क्षेत्र में 200 से अधिक ग्राहकों और तस्करों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने की बात कबूल की। उसने कथित तौर पर यह भी खुलासा किया कि अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार से अर्जित लगभग 25 लाख पिछले साल उसकी झुग्गी में आग लगने की घटना में नष्ट हो गए थे। उसने खुलासा किया कि उसके परिवार के कुछ सदस्य कथित तौर पर कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी गतिविधियों में शामिल थे। इसके बाद पुलिस ने मीर बाजार में एक और छापेमारी की और उसके एक बेटे को पकड़ लिया, जिसकी पहचान सदाम के रूप में हुई। पुलिस ने कहा कि पूरे नेटवर्क का पता लगाने और अंतरराज्यीय नशीले पदार्थों के रैकेट में शामिल सभी आगे और पीछे के संबंधों की पहचान करने के लिए आगे की जांच चल रही है। कुलगाम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनायत अली चौधरी आईपीएस ने चेतावनी दी कि नशीले पदार्थों के व्यापार में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने जनता से पुलिस के साथ सहयोग करने और समाज, विशेषकर युवाओं को नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे से बचाने के लिए नशीली दवाओं की तस्करी और मादक द्रव्यों के सेवन से संबंधित जानकारी साझा करने की भी अपील की।

सीबीएसई 12वीं परिणाम में शानदार प्रदर्शन, विद्यार्थियों ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

कठुआ, 14 मई (हि.स.)। 12वीं बोर्ड परीक्षा के घोषित परिणामों में टाइनी स्कॉलर्स स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर संस्था का नाम रोशन किया है। इस शानदार सफलता ने विद्यालय की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और समर्पित शिक्षण पद्धति को प्रमाणित किया है।

विद्यालय की टॉपर दिव्यांका गुप्ता ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया और सभी छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनीं। इसके साथ ही 12 से अधिक विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन का परिचय दिया। एक विशेष उपलब्धि अधिराज सिंह के नाम रही जिन्होंने 83 प्रतिशत अंक हासिल करने के साथ-साथ प्रतिष्ठित जेईई परीक्षा भी उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक मानी जा रही है। विद्यालय के चेयरमैन, प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता सभी के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। प्रधानाचार्य ने अपने संदेश में कहा कि विद्यालय हमेशा से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण और करियर उन्मुख मार्गदर्शन पर विशेष ध्यान देता रहा है जिसका सकारात्मक परिणाम इस वर्ष के परीक्षा परिणामों में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल और सफल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।